20 मार्च 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

पुलिस विभाग एक ऐसा विभाग, जिसके कर्मी कभी नहीं सोते: डीआईजी 2

केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से बक्सर जिला के कर्तव्यनिष्ठ पुलिस पदाधिकारियों व जवानों को किया गया सम्मानित

बिहार पुलिस देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस है: डीजी आलोक

कर्तव्यनिष्ठ जाबांजों को केशव टाइम्स का सलाम

- झुमरांव के वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज के बहुद्देशीय भवन में हुआ पुलिस सम्मान समारोह का भव्य आयोजन
- डीजी आलोक राज, शाहाबाद डीआईजी डॉ. सत्य प्रकाश ने पुलिस अधिकारियों व जवानों को किया सम्मानित

केटी न्यूज/ डुमरांव

केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप व बक्सर खबर की ओर से बुधवार को डुमरांव के वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज के बहुद्देशीय भवन में पुलिस सम्मान समारोह-2025 का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित आलोक राज, महानिदेशक सह अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना, अतिरिक्त प्रभार, अध्यक्ष, बिहार कर्मचारी चयन आयोग और विशिष्ट अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश, पुलिस उप-महानिरीक्षक, शाहाबाद क्षेत्र ने बेहतरीन व कर्तव्यनिष्ठ कार्य करने वाले बक्सर जिला के 18 पुलिस अधिकारियों व जवानों को सम्मानित कर उनकी हौसला अफजाई की।

मुख्य अतिथि डीजी आलोक राज के साथ डीआईजी डॉ. सत्य प्रकाश, बक्सर एसपी शुभम आर्य, केशव टाइम्स के सीईओ अरविंद कुमार चौबे तथा एडिटर इन चीफ अविनाश उपाध्याय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर तथा शहीद आईपीएस रविकांत सिंह के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीष कुमार शशि व विमल कुमार सिंह ने किया। वहीं, केशव टाइम्स के सीईओ अरविंद चौबे व एडिटर इन चीफ अविनाश उपाध्याय ने डीजी आलोक राज को अंग वस्त्र व मोमेंटो से सम्मानित किया। इसके अलावे शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश को केशव टाइम्स बक्सर के ब्यूरो चीफ रजनी कान्त दूबे व बक्सर खबर के संपादक रवि मिश्र ने, एसपी शुभम आर्य को केटी न्यूज के इनपुट हेड अमित, फोटो जर्नलिस्ट मनीष व बक्सर खबर के सुमित पांडेय ने अंग वस्त्र व मोमेंटो से सम्मानित किया। इस मौके पर डीजी आलोक राज ने कहा कि बक्सर आगामी दिनों में औद्योगिक मैप पर भी नजर आएगा। इसके लिए सरकार और प्रशासन के समन्वय से पावर प्लांट समेत कई बड़ी औद्योगिक संस्थान बनने जा रहे हैं,जो बक्सर के विकास को गति देगा। कार्यक्रम में फाउंडेशन स्कूल की छात्राओं ने राष्ट्रगान गाया। वहीं संत जॉन सेकेंड्री स्कूल के बच्चों ने ऐ वतन... ऐ वतन... देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी। इसके अलावा फेमस डांस ग्रुप के कलाकारों ने नृत्य नाटिका पेश किया।

डीजी बोले... समारोह में शामिल होकर मैं काफी प्रसन्न और अभिभूत हूं

डीजी आलोक राज ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केशव टाइम्स और बक्सर खबर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 में शामिल हो कर मैं काफी प्रसन्न और अभिभूत हूं। कृषि कॉलेज का नामाकरण बाबू कुंवर सिंह के नाम पर है, जो अपने आपमें गौरवांवित करने वाला नाम है। उन्होंने इस समारोह में उपस्थित डीआईजी, एसपी, सदर एवं डुमरांव के एसडीएम व एसडीपीओ के साथ जिले के मौजूद गणमान्य लोगों का अभिवादन किया। उन्होंने सम्मानित होने वाले जिले के कत्वर्यनिष्ठ पुलिस अधिकारियों और जवानों को बधाई देते हुए कहा कि सम्मान पाना एक बड़ी बात है, लेकिन सम्मान प्राप्त करने से आपकी जिम्मेदारी बढ़ती है। यदी आप सम्मानित हो रहे है तो आपके अच्छे कार्यो की प्रशंसा हो रही है। साथ ही, लोगों द्वारा यह भी उम्मीद जताई जाती है कि इसी प्रकार से आप भविष्य में अच्छा काम करते रहे। पुलिस का काम चुनौतियों से भरा होता है। प्रतिदिन उन्हें नई नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन मुझे खुशी इस बात की है कि बक्सर जिले में विधि व्यवस्था व कानून व्यवस्था काफी उत्तम है। आज बक्सर पूरे राज्य में शांतिपूर्ण जिला है। इसकी मुख्य वजह यह है कि बक्सर में जिला और पुलिस प्रशासन एक साथ मिलकर एक टीम की तरह काम करती है। इसके लिए जिला और पुलिस प्रशासन दोनों बधाई के पात्र हैं।

बक्सर वीरों की धरती होने के साथ पौराणिक परंपराओं की धरती है

डीजी ने कहा कि बक्सर वीरों की धरती होने के साथ पौराणिक परंपराओं की धरती है। बक्सर में महर्षि विश्वामित्र का आश्रम था। जहां पर आकर भगवान श्रीराम ने ताड़का का वध किया और महर्षि विश्वामित्र के यज्ञ को सफल बनाया। बक्सर के रामरेखा घाट पर प्रभु श्रीराम के पादुका के चिह्न हैं। ऐसे में जिस धरती पर भगवान श्रीराम के चरणों की धूल है, उस धरती के आशीर्वाद का थोड़ा सा अंश भी हमें मिल जाए तो हमारा जीवन सफल हो जाएगा। वहीं, बक्सर ऐतिहासिक रूप से भी काफी मशहूर है। 1764 में बक्सर की लड़ाई में अंग्रेजों की जीत ने उन्हें शाहाबाद में मजबूती दी। बाद में बाबू वीर कुंवर सिंह के कारण पूरे देश ने शाहाबाद की धरती को जाना।

शहीद आईपीएस रविकांत सिंह को याद कर नम हुई आंखें

इस मौके पर डीजी आलोक राज ने शहीद रविकांत सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रशिक्षण के दौरान असम में आर्मी अटैच्मेंट की एक ड्रील में आईपीएस रविकांत सिंह से मुलाकात हुई थी। उस समय एक शाम हम लोग उनके आवास पर चाय पर गए। इस दौरान उन्होंने असम में उग्रवाद और अन्य विषयों की विस्तृत जानकारी दी। आज सहसा उनके तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित करने के दौरान उस समय उनके साथ की गई वो मुलाकात एक बार फिर याद आ गई। कैसे उन्होंने कर्तव्य की बेदी पर हंसते हंसते स्वयं को न्यौछावर किया, जिसके कारण आंखें नम हो उठी। अंत में उन्होंने केशव टाइम्स और बक्सर खबर के इस प्रयास को सफल बताते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने बक्सर की जनता से पुलिस पर अपना भरोसा बनाए रखने की अपील की। कहा कि अपराध नियंत्रण और विधि व्यवस्था के संधारण में पुलिस व प्रशासन के साथ साथ आम जनता का सहयोग बेहद आवश्यक है। इसी प्रकार से यदि जनता और पुलिस का आपसी समन्वय बना रहेगा तो बक्सर के साथ अन्य जिलों में भी विधि व्यवस्था व कानून व्यवस्था बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस है। निश्चित तौर पर बिहार पुलिस का भविष्य उज्जवल होगा। हमारे पुलिस अधिकारी और जवान पूरी तरह से कर्मठ हैं।

यूपीआई से लेन-देन पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि

केंद्रीय कैबिनेट ने किया ऐलान

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिये। इसमें भीम यूपीआई से लेन-देन करने पर प्रोत्साहन राशि देने का ऐलान किया गया। इसके अलावा महाराष्ट्र में जेएनपीए पोर्ट (पगोटे) से चौक (29.219 किमी) तक छह लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईस्पीड राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई। केंद्रीय कैबिनेट ने नए राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम को भी स्वीकृत किया। कैबिनेट ने असम के नामरूप में यूरिया प्लांट के निर्माण को भी मंजूर किया। ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड नामरूप असम के मौजूदा परिसर में 12.7 लाख मीट्रिक टन वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता का एक नया ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया प्लांट स्थापित किया जाएगा। इसकी परियोजना की अनुमानित लागत 10,601.40 करोड़ रुपये है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कम मूल्य वाले भीम यूपीआई लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इसमें छोटे व्यापारियों को दो हजार रुपये तक के लेनदेन के लिए प्रति लेनदेन मूल्य पर 0.15 प्रतिशत की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। हर तिमाही पर बैंक स्वीकृत दावा राशि का 80 फीसदी बिना किसी शर्त के वितरित करेंगे। जबकि 20 फीसदी राशि का भुगतान कुछ शर्तों के बाद किया जाएगा। छोटे व्यापारियों को यूपीआई के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए यह फैसला लिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने महाराष्ट्र में जेएनपीए पोर्ट से चौक (29.219 किमी.) तक छह लेन के ग्रीनफील्ड हाईस्पीड राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर 4500.62 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम को भी स्वीकृत किया। इस योजना में एक हजार करोड़ रुपये बजट बढ़ाया गया है। अब 15वें वित्त आयोग में इस योजना का कुल बजट 2790 करोड़ रुपये हो गया है। यह पहल डेयरी उद्योग का आधुनिकीकरण और विस्तार करेगी। संशोधित योजना के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र में 10,000 नई डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना, प्रसंस्करण के साथ ही एनपीडीडी की परियोजनाओं को अनुदान सहायता और दो दूध उत्पादक कंपनियों का गठन किया जाएगा। इससे अतिरिक्त 3.2 लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

बोले तेजस्वी यादव... बिहार को नहीं चाहिए पैर पकड़ुआ सीएम

केटी न्यूज/पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि बिहार को ऐसा सीएम नहीं चाहिए जो दूसरों के पैर पकड़े। उन्होंने कहा कि सीएम निडर होना चाहिए। इस दौरान तेजस्वी यादव पीएम पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पैर छूने से पीएम मनबढ़ हो गए हैं। बिहार का सीएम निडर और विजन वाला होना चाहिए।

तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर वे राजनीति में नहीं होते तो उन पर कोई केस नहीं होता। उन्होंने कहा कि राजनीति में होने की वजह से उनके खिलाफ साजिश हो रही है। तेजस्वी ने कहा कि उन्हें याद भी नहीं है कि ईडी और सीबीआई ने उनके परिवार को कितनी बार पूछताछ के लिए

बुलाया है। लेकिन वे कानून का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग डरे हुए हैं और घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा कि जितना वे परेशान करेंगे, हम उतने ही मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि वे बिहार में अगली सरकार बनाएंगे। तेजस्वी ने पटना में हुई एक करोड़ की लूट पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार और बिहार सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। कहा कि अपराधी सक्रिय हैं और मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर धरती पर लौटे

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 9 महीने बाद बुधवार को धरती पर वापस आ गए। सभी अंतरिक्ष यात्रियों ने धरती पर सफल लैंडिंग कर ली है। पूरी टीम की मेडिकल जांच की जा रही है। नासा ने पूरे मिशन को सफल बताया है। नासा ने कहा कि सबकुछ प्लानिंग के मुताबिक हुआ और सभी अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। नासा ने कहा कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने 150 से ज्यादा प्रयोग किए। यह आने वाले समय में मानवता के लिए बड़े काम आने वाले हैं। मिशन का हर चरण प्लान के मुताबिक पूरा किया गया। इस मिशन को पूरा करने में कई चुनौतियां थीं, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

पीएम मोदी समेत कई नेताओं से मिले माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ व कारोबारी बिल गेट्स

आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य बनाने पर हुई बात

एजेंसी/नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ और गेट्स फाउंडेशन के चेयरमैन व अरबपति कारोबारी बिल गेट्स ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों ने प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्थिरता पर चर्चा की। इससे पहले उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। दोनों के बीच सरकार और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग को लेकर चर्चा हुई। बिल गेट्स ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से भी मुलाकात की। मुलाकात के बारे में पीएम मोदी ने ट्वीट कर जानकारी दी। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि

हमेशा की तरह, बिल गेट्स के साथ एक शानदार बैठक हुई। हमने आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में तकनीक, नवाचार और स्थिरता सहित विविध मुद्दों पर बात की। वहीं, बिल गेट्स ने भी ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भारत के विकास, 2047 में विकसित भारत के मार्ग और स्वास्थ्य, कृषि, एआई और अन्य क्षेत्रों में रोमांचक प्रगति के बारे में बहुत अच्छी चर्चा हुई। जो आज प्रभाव पैदा कर रहे हैं। यह देखना प्रभावशाली है कि भारत में नवाचार स्थानीय और वैश्विक स्तर पर किस तरह प्रगति को आगे बढ़ा रहा है।

बिल गेट्स और चंद्रबाबू नायडू के बीच स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और रोजगार सृजन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर बात हुई। बिल गेट्स से मुलाकात के बाद जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि गेट्स फाउंडेशन की मदद से मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। बिल गेट्स से मुलाकात के बाद चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया पर स्वर्ण आंध्र प्रदेश 2047 के दीर्घकालिक लक्ष्य को पाने के लिए गेट्स फाउंडेशन की भूमिका की सराहना की।

पुलिस सम्मान समारोह-2025 में डीआईजी ने की केशव टाइम्स की पहल की सराहना, बोले...

पुलिस विभाग एक ऐसा विभाग, जिसके कर्मी कभी नहीं सोते

- एसपी शुभम आर्य ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों के साथ सभी का किया स्वागत
- डीजी व डीआईजी ने कर्तव्यनिष्ठ एसपी समेत पुलिस अधिकारियों और जवानों को किया सम्मानित

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव के वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय के प्रांगण में स्थित बहुउद्देश्यीय भवन में बुधवार को केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से आयोजित बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल शाहाबाद रेंज के डीआईजी डॉ. सत्य प्रकाश ने कार्यक्रम में शामिल डीजी आलोक राज समेत सभी पदाधिकारियों, जवानों और गणमान्य लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन पुलिस और पब्लिक के संबंध को मजबूती प्रदान करते हैं। पुलिस विभाग एक ऐसा विभाग है, जिसके कर्मी कभी नहीं सोते हैं। पुलिस का काम ही कानून व्यवस्था को बनाए रखना है, ताकि आप सभी लोग अपने अपने घरों में चैन से सो सकें। ऐसे में पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को सम्मानित करना अपने आप में एक बड़ी बात है। इसके लिए हम केशव टाइम्स और बक्सर खबर की इस पहल को धन्यवाद देते हैं। इसके सहयोग से आज पुलिस और पब्लिक का संवाद बना है, उसे हम भविष्य में भी कायम रखेंगे। वहीं, आशा करता हूं कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने में इसी प्रकार से बक्सर जिले के गणमान्य जनता और मीडिया जगत के बंधु अपना सहयोग बनाए रखें। अंत में डीआईजी सत्य प्रकाश ने सम्मानित होने वाले सभी पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को बधाई देते हुए भविष्य में इसी प्रकार से कार्य करने की अपील की।

डीजी आलोक राज को सम्मानित करते आयोजनकर्ता।

डीआईजी डॉ. सत्य प्रकाश को सम्मानित करते आयोजनकर्ता।

बक्सर एसपी शुभम आर्य को सम्मानित करते आयोजनकर्ता।

आईपीएस रविकांत सिंह की देशभक्ति हमारे लिए प्रेरणा : एसपी शुभम आर्य

शहीद आईपीएस रविकांत सिंह पर प्रकाश डालते हुए एसपी शुभम आर्य ने कहा कि आज रविकांत सर को हम सभी ने याद करते हुए उनको पुष्पांजलि अर्पित की। इनकी देशभक्ति और साहस हम सब पुलिस अधिकारियों और जवानों के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने देश की अस्मिता को सुरक्षित रखने के लिए उग्रवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की भी चिंता नहीं की और उसे न्यौछावर कर दिया। उनके इस बलिदान ने समाज में पुलिस की छवि को एक ऊंचे मकाम पर पहुंचाया है। जिसे हमें बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बक्सर जिले के सभी पुलिस पदाधिकारी और जवान आश्वस्त करें कि भविष्य में हम सभी इसी प्रकार से कर्तव्यनिष्ठ होकर कार्य करते रहेंगे।

सम्मान पाने के बाद दोगुनी ऊर्जा से करेंगे कार्य : बक्सर पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने डीजी आलोक राज, डीआईजी डॉ. सत्य प्रकाश समेत सभी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए धन्यवाद दिया कि उन्होंने अपना कीमती समय निकालकर बक्सर के कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारियों और जवानों को सम्मानित कर उनकी हौसलाअफजाई की। कहा कि आज जिन पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को यहां पर सम्मानित किया गया है, वो वापस लौटकर दोगुनी ऊर्जा और निष्ठा के साथ अपना कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि पुलिस का जो कार्य है, वो अनेकों बिंदुओं पर होता है। तमाम प्रकार की चुनौतियों को पुलिस को हर समय झेलना पड़ता है। इस बीच सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के साथ-साथ अपराध पर नियंत्रण और विधि व्यवस्था को बनाए रखना बहुत चुनौती भरा होता है। इसे पूरा करने में प्रतिदिन पुलिस अधिकारी और जवान अपनी काफी ऊर्जा लगाते हैं। लेकिन, कार्यों को लगन से करने के बावजूद उनका उत्साहवर्द्धन नहीं होने से पुलिस अधिकारियों और जवानों की ऊर्जा क्षीण होने लगती है। ऐसे में केशव टाइम्स और बक्सर खबर के इस सार्थक पहल से सभी पदाधिकारियों और जवानों को एक नई ऊर्जा मिलेगी और भविष्य में वो अपना कार्य इसी प्रकार से करते रहेंगे।

धीरज कुमार, सदर एसडीपीओ के द्वारा अपराध नियंत्रण व शराब तस्करी रोकने की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से डीजी व डीआईजी ने किया सम्मानित।

अफाक अख्तर अंसारी, डुमरांव एसडीपीओ को अपराध नियंत्रण व शराब तस्करी रोकने के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से डीजी व डीआईजी ने किया सम्मानित।

शंभु कुमार भगत, थानाध्यक्ष, डुमरांव को थाना परिसर को स्मार्ट के साथ साथ क्षेत्र पुलिस पब्लिक रिलेशन को बेहतर रखने किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए

संतोष कुमार, थानाध्यक्ष, राजपुर थाना को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण व शराब तस्करी रोकने की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए डीजी व डीआईजी ने किया सम्मानित।

कमल नयन पांडेय, थानाध्यक्ष, सिमरी को अपराध नियंत्रण-शराब तस्करी रोकने की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए के लिए डीजी व डीआईजी ने किया सम्मानित।

सोनू पासवान, थानाध्यक्ष, इटाढ़ी को अपराध नियंत्रण-शराब तस्करी रोकने व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से मिला सम्मान।

विकास लायेक, पुलिस अवर निरीक्षक, साइबर थाना, बक्सर को साइबर अपराध नियंत्रित करने की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से सम्मानित किया गया।

राकेश रंजन, सहायक अवर निरीक्षक, इटाढ़ी थाना को अपराध नियंत्रण करने की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से आपको सम्मानित किया गया।

लाल बहादुर राम, सहायक अवर निरीक्षक, सिकरौल थाना को अपराध नियंत्रण व शराब तस्करी रोकने दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से सम्मानित किया गया।

अनिल कुमार सिंह, प्रा.अ.नि, ई.आर.वी, ब्रह्मपुर को कम समय में घटना स्थल पर पहुंच कर मामलों को सुलझाने आदि किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

सुधीर कुमार ओरॉव, प्रा.अ.नि, ई.आर.वी, डुमरांव को ससमय में घटना स्थल पर पहुंच कर रोड एक्सीडेंट होने पर तत्काल हॉस्पीटल तक पहुंचाने में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

रिपु कुमारी, महिला सिपाही -906, नगर थाना, बक्सर को अपराध नियंत्रण करने की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से सम्मानित किया गया।

विक्रम कुमार, सिपाही -971, ई.आर.एस.एस. कार्यालय को स-समय सूचना देने के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से सम्मानित किया गया।

विकास कुमार, सिपाही - 944, ई.आर एस.एस. कार्यालय को स-समय सूचना देने के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

सुजीत कुमार, सिपाही - 917, यातायात थाना को जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने की दिशा में किए गए कार्य के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से सम्मानित किया गया।

रमेश कुमार, सिपाही-1046, डी.आई.यू. डुमरांव को अपराध नियंत्रण व शराब तस्करी रोकने की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से सम्मानित किया गया।

ओमप्रकाश यदुवेंदु, पुलिस अवर निरीक्षक, यातायात थाना को यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने की दिशा में आपके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

कुमार काश्यप, सहायक अवर निरीक्षक, राम दास राय डेरा थाना को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण/थानान्तर्गत गश्ती विशेष करने की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

डुमरांव स्थित वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय परिसर स्थित बहुउद्देश्यीय भवन में आयोजित बिहार पुलिस सम्मान समारोह के दौरान शहीद आईपीएस रविकांत सिंह के तैल्य चित्र पर श्रद्धा के साथ पुष्प अर्पित करते शाहाबाद प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक डॉ. सत्य प्रकाश व मौजूद केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप के सीईओ/एमडी अरविंद कुमार उर्फ चुन्नु चौबे।

पुलिस सम्मान समारोह में सदर एवं डुमरांव एसडीएम ने की पुलिस कर्मियों की हौसलाअफजाई, बोले...

सम्मान पाने से अधिकारियों व कर्मियों में बढ़ती है ऊर्जा

♦ सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्र एवं डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने की जिले के पुलिस अधिकारियों और जवानों की प्रशंसा

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के दौरान सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा ने केशव टाइम्स की इस पहल की भूरि भूरि सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के समय में पुलिस विभाग का कार्य काफी कठिन हो चुका है। पुलिस पदाधिकारी और जवान काफी विषम परिस्थितियों में भी कार्य करते हैं। एक ओर जहां आम जनता पर्व और त्योहारों के दौरान उत्सव और खुशी मनाने में व्यस्त हो जाती है, वहीं दूसरी ओर पुलिस का काम बढ़ जाता है। ऐसे में उनका तनाव और जिम्मेदारियों भी बढ़ जाती हैं। लेकिन, आज के समय में हम सभी साक्षी हैं कि पिछले कई वर्षों से बक्सर जिले में पुलिस विभाग ने बेहतरीन काम किया है।

एसडीएम ने कहा कि पर्व-त्योहारों के साथ आम दिनों में भी किसी भी प्रकार की बड़ी विधि-व्यवस्था की समस्या नहीं उत्पन्न नहीं होने दी है। इसकी बदौलत हम आत्म संतुष्टि, गर्व और संतोष के साथ यह बोल सकते हैं कि बक्सर जिले में विधि व्यवस्था का संधारण हमेशा होता रहा है। लेकिन, इस पंक्ति को कहने के पीछे निश्चित तौर पर पुलिस और प्रशासन का बेहतर समन्वय है। यह पंक्ति हम आने वाले समय में बोलते रहें, इसके लिए आवश्यकता है कि पुलिस अपना काम बेहतर रूप से करते रहे। इसके लिए सबसे जरूरी है कि जिले में बेहतर कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को समय-समय पर सम्मानित किया जाता रहे। उन्होंने लोकतंत्र के एक मजबूत स्तंभ पुलिस विभाग के अधिकारियों और जवानों को सम्मानित करने और प्रेरित करने के लिए आयोजित इस समारोह में केशव टाइम्स के साथ प्रत्यक्ष व अप्रत्क्ष रूप से योगदान देने के लिए आभार व्यक्त किया। कहा कि ऐसे समारोह से पर्दे के पीछे कार्य करने वाले असली कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों और जवानों को प्रेरणा मिलती है। इससे उनकी ऊर्जा भी बढ़ती है।

पुलिस अधिकारियों और जवानों से बढ़ी है लोगों की अपेक्षाएं: एसडीएम- वहीं, डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने समारोह के दौरान अपने संबोधन में कहा कि आज का समय सबके लिए सबसे चुनौतीपूर्ण है। विशेषकर पुलिस विभाग के लिए चुनौतियां और भी बढ़ गई हैं। आज के समय में लोगों की अपेक्षाएं पुलिस अधिकारियों और जवानों से पूर्व की अपेक्षा और भी बढ़ गई हैं। लेकिन, पुलिस व प्रशासन को एक सीमित संसाधन के साथ काम करना होता है। इससे विधि व्यवस्था को कायम रखना अपने आप में एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। लेकिन, जब जनता का सहयोग मिलता है तो विधि व्यवस्था को बनाए रखने में काफी सहुलियत मिलती है। उन्होंने केशव टाइम्स की पहल पर आशा जताते हुए कहा कि यदि इस प्रकार से समाज के लोगों द्वारा पुलिस अधिकारियों और जवानों को सम्मानित किया जाता रहा तो भविष्य में जिले में शांति बनाए रखना काफी आसान होगा। जिसमें समाज के हर वर्ग का सहयोग अपेक्षित है।

केशव टाइम्स ने अपने मजबूत इरादों व सेवाभाव को पूरा कर दिखाया

सदर एसडीएम ने कहा कि आज यह जो पुलिस अधिकारियों और जवानों को सम्मानित करने के लिए समारोह का आयोजन किया गया है, वो बेशक सराहनीय है। बक्सर समेत पूरे जिले में विभिन्न आयोजनों, कार्यक्रमों और आम दिनों में जो पुलिस अधिकारी व जवान असल मायने में काम करते हैं, वो सराहना के पात्र हैं। जिसको आज केशव टाइम्स ने पूरा किया है। उन्होंने बताया कि आज तक के कार्यकाल में हमने न तो किसी प्रशासनिक अधिकारी और न ही किसी पुलिस अधिकारी या जवान को सम्मानित करने के लिए इस प्रकार के समारोह का आयोजन होते देखा है। इतनी कम समयावधि में केशव टाइम्स ने तीन बड़े और सफल कार्यक्रम का संचालन कर अपने मजबूत इरादों और सेवाभाव को बखूबी पूरा कर दिखाया है।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के दौरान राज्य के महानिदेशक आलोक राज को शॉल भेंट कर सम्मानित करते बिहार व झारखंड के प्रतिष्ठित वैष्णवी ग्रुप के चेयरमैन सह समाजसेवी प्रदीप राय।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के दौरान बक्सर जिले के शिक्षाविद् सह संत जॉन सेकेंड्री स्कूल के निदेशक डॉ. रमेश सिंह को सम्मानित करते केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप के समूह सम्पादक अविनाश उपाध्याय व संपादक संजय कुमार।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के दौरान बक्सर के वरिष्ठ पत्रकार शशांक शेखर को सम्मानित करते केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप के समूह संपादक अविनाश उपाध्याय व सीईओ अरविंद कुमार उर्फ चुन्नू चौबे।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 में पूर्व सैनिक संघ के जिला संयोजक कैप्टन रामनाथ सिंह को सम्मानित करते केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप के सीईओ अरविंद कुमार उर्फ चुन्नू चौबे व ब्यूरो प्रमुख रजनिकांत दुबे।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के उपलक्ष्य पर प्रभारी जिलाधिकारी सह एडीएम कुमारी अनुपम सिंह को सम्मानित करते केशव टाइम्स के समूह संपादक अविनाश उपाध्याय।

पुलिस सम्मान समारोह में अतिथियों ने की कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा

डुमरांव। कृषि कॉलेज, डुमरांव में आयोजित पुलिस सम्मान समारोह के दौरान अतिथियों ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि पुलिसकर्मी हमेशा विपरित परिस्थिति में काम करते है। पुलिसकर्मी चुनौतियों का सामना कर समाज में शांति व्यवस्था कायम रखते है। जबकि समाज कभी भी इनके कार्यों की सराहना नहीं करता है। लोगों ने कर्तव्यनिष्ठ व बेहतर कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को सम्मानित करने के केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप व बक्सर खबर के इस प्रयास को अनुकरणीय व सराहनीय बताया और कहा कि समाज व मीडिया के सहयोग से ही पुलिस व प्रशासन अपराध नियंत्रण के अपने लक्ष्य को पूरा कर सकता है। समाज में शांति व्यवस्था कायम करने के लिए जरूरी है कि पुलिस, प्रशासन, समाज व मीडिया के बीच बेहतर समन्वय हो। कार्यक्रम के दौरान बक्सर सदर एसडीएम धीरेन्द्र कुमार मिश्र, डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, बक्सर सदर डीएसपी धीरज कुमार, डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी, वैष्णवी ग्रुप के चेयरमैन प्रदीप राय, विश्वामित्र अस्पताल के निदेशक राजीव कुमार झा, डुमरांव नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता, नगर परिषद के सशस्त स्थायी समिति के सदस्य सह वार्ड पार्षद विजय कुशवाहा, पार्षद प्रतिनिधि सोनू राय, डुमरांव बुनियाद केन्द्र के फिजीयोथेरेपिस्ट डॉ. विकास, पूर्व सैनिक संघ के जिला संयोजक कैप्टन रामनाथ सिंह, उपाध्यक्ष विद्यासागर चौबे, राज हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र, वुड स्टॉक स्कूल के डायरेक्टर राजीव कुमार, डुमरी मुखिया प्रेम सागर कुंवर, संजय सिंह राजनेता, बक्सर रेडक्रास सोसायटी के सचिव श्रवण तिवारी, बक्सर रेडक्रास के डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, बक्सर श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष डॉ. शशांक शेखर, संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के निदेशक सह शिक्षाविद् डॉ. रमेश सिंह, कैब्रिज स्कूल के डायरेक्टर टीएन चौबे, जदयू के प्रदेश सचिव विनोद राय, पत्रकार शुभनारायण पाठक, जयमंगल पांडेय, दिनेश ओझा, कुंदन ओझा, अनिल कुमार ओझा, रविशंकर श्रीवास्वत, श्रीकांत दूबे, विकास श्रीवास्तव, मुस्ताक उर्फ बंटी, संजय उपाध्याय, अनिश पाठक, रवि मिश्र, आलोक सिन्हा, विनय, अमर केशरी, अशोक कुमार, जय प्रकाश मिश्र, दिनेश राय, सुंदर लाल, अमित ओझा, सिकंदर, केशव टाइम्स के वरूण सिंह, रंजन मिश्र, संजीव कुमार दूबे, प्रकाश कुमार बादल, सामाजिक कार्यकर्ता शक्ति राय, दीपक यादव समेत सैकड़ों गणमान्य मौजूद थे।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 में पूर्व सैनिक संघ के उपाध्यक्ष विद्यासागर चौब को सम्मानित करते केशव टाइम्स के बक्सर ब्यूरो प्रमुख रजनी कांत दुबे।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के उद्घाटन सत्र के दौरान राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े अतिथि, गणमान्य लोग व मीडिया कर्मियों के अलावा अन्य लोग।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के दौरान मंच का संचालन करते डुमरांव के प्रख्यात उद्घोषक विमल कुमार।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के दौरान मंच का संचालन करते डुमरांव के प्रख्यात उद्घोषक डॉ. मनीष कुमार शशि।

पुलिस सम्मान समारोह में बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

नारी सम्मान एवं देशभक्ति के संदेश से गूंज उठा मंच दर्शकों की तालियों ने की कलाकारों की हौसला अफजाई

केटी न्यूज/डुमरांव

केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप व बक्सर खबर का पुलिस सम्मान समारोह कई मायनों में खास रहा, जहां बच्चों ने अपनी जोश से भरी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हर किसी का दिल जीत लिया। नाटक, नृत्य और गीतों के माध्यम से देशभक्ति व नारी सम्मान का संदेश दिया गया, जिससे पूरा सभागार भाव-विभोर हो उठा।

राष्ट्रगान से हुआ भव्य शुभारंभ : कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से हुई, जिसे फाउंडेशन स्कूल, डुमरांव की छात्राओं अनामिका मिश्रा, नमामि मिश्रा, ऐश्वर्या मिश्रा, अंशिका चौबे, रूपा, हर्षिता यादव और आयुषी तिवारी ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के सम्मान में सभी अतिथि व दर्शक खड़े हो गए। संगीत शिक्षक रंजीत कुमार के निर्देशन में यह प्रस्तुति हुई, जिन्होंने हारमोनियम पर संगत भी की। बता दें कि रंजीत राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व कर चुके है।

द्रौपदी चीर हरण सामूहिक नृत्य ने दिया नारी सम्मान का संदेश : समारोह में राज कुमार यादव, पवन कुमार यादव, नीतीश कुमार यादव, अजय आर्यन, रोहन, इंदल, छोटे, संदीप, रौशन, रुस्तम, ओम प्रकाश, दीपक और शिवम यादव ने 'द्रौपदी चीर हरण' का मंचन किया। नाटक में सिर्फ तलवार को प्रॉप्स के रूप में इस्तेमाल किया गया, लेकिन प्रभाव इतना गहरा था कि पूरा सभागार मंत्रमुग्ध हो गया। इस प्रस्तुति का सार यह था कि जहां नारी का अपमान होता है, वहां विनाश निश्चित होता है। कलाकारों की शानदार अदाकारी को दर्शकों ने तालियों की गूंज से सराहा।

देशभक्ति के रंग में रंगा मंच : देशभक्ति से ओतप्रोत नृत्य प्रस्तुतियों ने भी समारोह में चार चांद लगा दिए। रोहन ने हिप-हॉप स्टाइल में देशभक्ति पर आधारित एकल नृत्य प्रस्तुत किया, जिसकी कोरियोग्राफी रोहन और अजय ने की थी। वहीं, संत जॉन स्कूल के छात्र-छात्राओं ने ऐ वतन..., वतन... गीत पर सामूहिक प्रस्तुति दी, जिसने पूरे सभागार को भाव-विभोर कर दिया। जिसमें रानी कुमारी, अनामिका कुमारी, ज्योति कुमारी, अंबिका कुमारी, साक्षी कुमारी, चांदनी कुमारी, अनन्या कुमारी, मनीष कुमार, अमन पांडेय, रवि शर्मा व श्वेता कुमारी शामिल रहे।

कलाकारों को किया गया सम्मानित : इन शानदार प्रस्तुतियों के बाद कलाकारों को केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से मोमेंटो, प्रमाण-पत्र और अंग-वस्त्र से सम्मानित किया गया। इस मौके पर डांस गुरु आयुष केशरी और आरा से आये रंगकर्मी, निर्देशक व पत्रकार ओपी पांडेय को भी अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। पुलिस सम्मान समारोह में बच्चों की प्रस्तुतियों ने इसे भव्य बना दिया।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के दौरान वुड स्टॉक स्कूल डुमरांव के निदेशक राजीव कुमार उर्फ बबलू पाठक को सम्मानित करते समूह संपादक अविनाश उपाध्याय।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के दौरान अधिवक्ता सह वरिष्ठ पत्रकार राजीव भगत को सम्मानित करते केशव टाइम्स के संपादक संजय कुमार।

डुमरांव के वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय में आयोजित बिहार पुलिस सम्मान समारोह 2025 के समापन के अवसर पर केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की टीम के साथ जिला व अनुमंडल स्तर के पत्रकार बंधु।

सीमित संसाधनों के साथ सराहनीय है केशव टाइम्स का सफर

♦ वक्ताओं ने की पुलिस सम्मान समारोह कार्यक्रम की सराहना

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव के वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज में केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप व बक्सर खबर द्वारा आयोजित बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 के दौरान अपने उद्बोधन में जहां वक्ताओं ने इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की वहीं, केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप के अबतक के सफर की सराहना की और कहा कि सीमित संसधानों के बावजूद केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप ने बहुत कम समय में अपने मनोबल व समर्पण के साथ सटीक व निष्पक्ष खबरों को परोस लोगों का विश्वास जीता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. रमेश कुमार सिंह।

कार्यक्रम में मौजूद श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष डॉ. शशांक शेखर।

कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. आशुतोष कुमार सिंह।

बक्सर श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष डॉ. शशांक शेखर ने अपने संबोधन में केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप के सटीक व निष्पक्ष पत्रकारिता के साथ ही इस आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप ने बहुत कम समय में ही डुमरांव से शुरू हो राजधानी पटना तक अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

डॉ. आशुतोष सिंह ने कहा कि यह आयोजन अपने आप में अनोखा है तथा इससे एक बड़ा संदेश जाता है कि समाज में बेहतर करने वाले पुलिसकर्मी भी सम्मान के हकदार है। अबतक लोगों का ध्यान इस ओर नहीं गया था, लेकिन केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप व बक्सर खबर के इस प्रयास से अब लोगों में बेहतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान बढ़ेगा।

जबकि संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के निदेशक सह शिक्षाविद डॉ. रमेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सम्मान से मनोबल बढ़ता है, वहीं दूसरे को भी अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की सक्रियता व तत्परता के कारण ही हम अपने घरों में चैन से सो पाते है। केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप का यह प्रयास काफी सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पुलिस व पब्लिक के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए, उम्मीद है कि इस आयोजन के बाद पुलिस पब्लिक के बीच का समन्वय और बेहतर होगा।

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 की तस्वीरों में झलकियां...

कार्यक्रम में राष्ट्रगान गाती फाउंडेशन स्कूल की छात्राएं।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देता फेमस डांस ग्रुप का कलाकार।

संत जॉन सेकेंड्री स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई देशभक्ति गीत।

औद्योगिक थाना के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण करने पहुंचे डीजी आलोक राज

- 4.85 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस भवन का बक्सर औद्योगिक क्षेत्र में हो रहा है निर्माण
- औद्योगिक थाना लंबे समय से अस्थायी भवन एवं जर्जर संरचना में हो रहा है संचालित

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में पहुंचे बिहार पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आलोक राज बुधवार को बक्सर के निमार्णाधीन औधोगिक थाना के भवन का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नक्शे के आधार पर भवन की संरचना और प्रत्येक कक्ष की विशेषताओं को समझा। साथ ही गुणवत्ता पूर्ण भवन का मानक के हिसाब से निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। बता दें कि 4.85 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस आधुनिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। अब तक औद्योगिक थाना किसी अस्थायी भवन या जर्जर संरचना में संचालित हो रहा था। नया थाना बनने से पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्यक्षेत्र मिलेगा और अपराध नियंत्रण में भी सहायता होगी। विदित हो कि लंबे समय से औद्योगिक थाना अस्थायी भवन में चलता था। जिस कारण पुलिस कर्मियों के ठीक से बैठने व कार्य करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं था। इस कारण उनलोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

गुणवत्ता और समयबद्ध निर्माण के निर्देश : निरीक्षण के दौरान डीजीपी आलोक राज ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और इसे तय समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने बक्सर एसपी शुभम आर्य और डीएसपी धीरज कुमार को निर्देशित किया कि वे निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करें और किसी भी कमी को तुरंत दूर करें। यदि कोई भी कार्य में लापरवाही करता है तो तत्काल कार्रवाई करें।

अपराध नियंत्रण पर डीजीपी का बयान : निरीक्षण के दौरान डीजीपी आलोक राज ने कहा कि बिहार पुलिस किसी भी प्रकार की चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इस निरीक्षण के दौरान शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश, बक्सर एसपी शुभम आर्य, डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी और बक्सर डीएसपी धीरज कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

डुमरांव थाने में बनने वाले बैरक का डीजी आलोक राज ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाने में निर्माणधीन पालना घर और महिला पुलिसकर्मियों के लिए बैरक के निर्माण कार्य की डीजी आलोक राज ने समीक्षा की। उनके साथ डीआईजी सत्यप्रकाश, एसपी शुभम आर्य, एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी, थानाध्यक्ष शंभू भगत सहित अन्य कई मौजूद रहें। पुलिस भवन निर्माण निगम के डीजी सह सीएमडी आलोक राज ने कार्य में तेजी और पारदर्शिता लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि तय समय तक इस कार्य को पूरा कर लिया जाए अन्यथा कारवाई करेंगे। डीजी ने बताया कि महिला बैरक के साथ ही पालना घर बनने से यहां की महिला पुलिसकर्मियों को काफी राहत होगी। बता दें कि थाना परिसर में बनने वाले बैरक की क्षमता 10 बेड की होगी। इसके लिए लगभग 29 लाख की परियोजना तैयार की गई है जिसमें जी प्लस वन संरचना का भवन तैयार किया जाएगा, जिसमें शौचालय, स्नान-घर, रसोईघर और हॉल जैसी सुविधाएं होंगी। पहले तल्ले पर 5 महिला सिपाही और दूसरे तल्ले पर 5 महिला सिपाही के लिए रहने की व्यवस्था होगी।

पुराना भोजपुर के अंबेडकर महानगर अनुसूचित टोला में हुई घटना

धुंआ सुलगाने को लेकर विवाद में शख़्स की पीट- पीटकर हत्या

- पुलिस ने जांच के दौरान दो लोगों को लिया हिरासत में
- बकरियों को मच्छरों से बचाने के लिए घास फूस इकट्ठा कर धुंआ सुलगाने पर आपत्ति के बाद हुई घटना

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर ओपी क्षेत्र के पुराना भोजपुर गांव में आपसी विवाद में एक व्यक्ति की हत्या का मामला प्रकाश में आया है। घटना बुधवार की रात्रि 8 बजे की है। इस जघन्य हत्या के पीछे विवाद का मुख्य कारण धुंआ सुलगाने को बताया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुराना भोजपुर के अंबेडकर महानगर अनुसूचित टोला निवासी रामजी राम पिता स्व पूजन राम उम्र 40 वर्ष अपनी बकरियों को मच्छरों से बचाने के लिए घास फूस इकट्ठा कर धुंआ सुलगा रहे थे, तभी पड़ोस के ही कुछ लोगों ने धुंआ करने पर आपत्ति जताई। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ने लगा। इसी बीच दूसरे पक्ष के लोगों ने पड़ोस के ही झलकू राम पिता लालमुनि राम ने रामजी की बेरहमी से पिटाई कर दी जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद तत्काल मौके पर पहुंचे एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी पहुंचे। इसके बाद मामले की तफ्तीश शुरू कर दी। घटना के बाद सनसनी फैल गई है। वहीं दूसरी तरफ मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था वहीं घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उठवाकर पोटामार्टम के लिए भेजा। थोड़े देर बाद ही पिता और पुत्र को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और थाने ले गई। जानकारी के अनुसार मृतक बेहद गरीब था और दो बकरियों को पोश पालकर अपना जीवन यापन करता था। मृतक के एक पुत्र और एक पुत्री की मौत कोरोना काल में ही हो गई थी। वहीं 22 वर्षीय पुत्री जैसे तैसे दूसरे के घरों में काम कर अपना जीवन यापन करती है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। इधर टोले में इस घटना के बाद तनातनी की स्थिति बनी हुई है। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि पिता पुत्र को हिरासत में लिया गया है। अग्रतर कारवाई की जा रही है।

आरा ने सिवान को 5-4 से हराकर फाइनल का रास्ता तय किया

डुमरांव। कस्तूरबा फुटबॉल शील्ड प्रतियोगिता के ग्रुप ए के सेमीफाइनल मैच आरा और सिवान के बीच खेला गया। ट्राईब्रेकर में आरा ने सिवान पर 5-4 से शिकस्त देकर फाइनल का रास्ता तय कर लिया। पहले सेमीफाइनल मैच काफी रोमांच से भरा रहा। मध्यांतर तक दोनों टीमें बराबरी पर थी, उसके बाद जब खेल शुरू हुआ तो अंतिम समय तक किसी ने कोई गोल नहीं किया, फिर दस मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया। अतिरिक्त समय में भी कोई टीम गोल नहीं कर सकी तब जाकर ट्राईब्रेकर का सहारा लिया गया। ट्राईब्रेकर में आरा सभी पांच बॉल को गोल में जाने नहीं दिया। फिर सिवान के गोलकीपर ने चार बचाव किया, लेकिन पांचवे शॉट को नहीं बचा पाया, जिससे आरा 5-4 से जीत दर्ज कर ली।

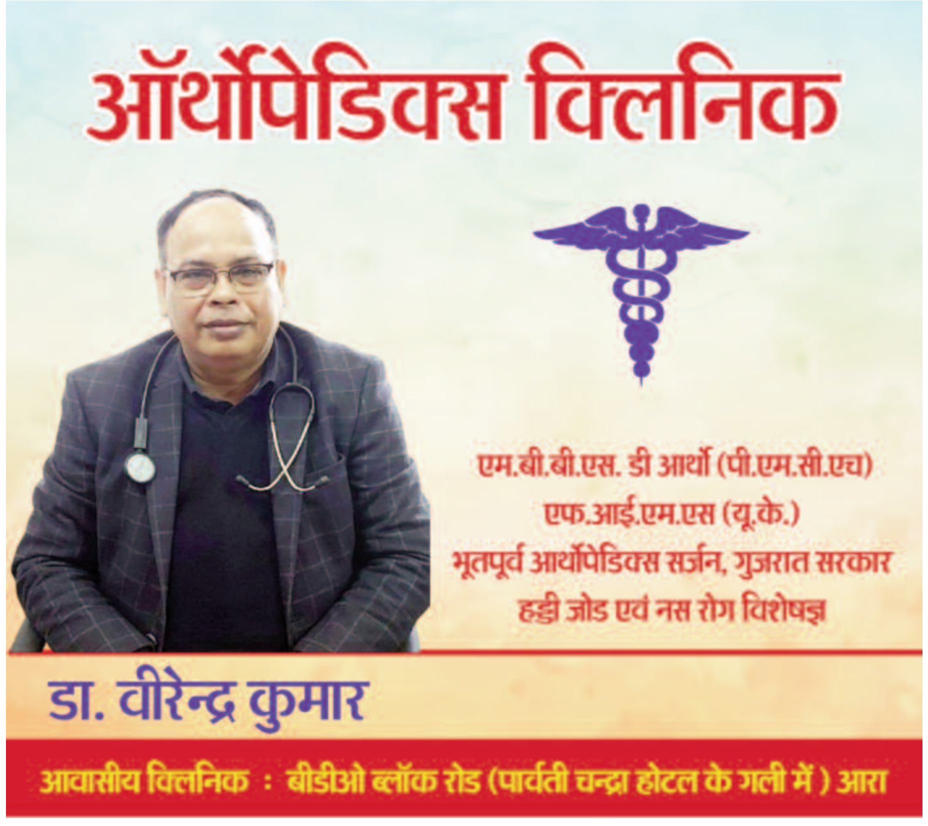

राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता सौम्या को एसडीओ ने किया सम्मानित

केसठ। प्रखंड के रामपुर गांव निवासी सोनू तिवारी की 11 वर्षीय पुत्री सौम्यो कुमारी राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता बनी है। विदित हो कि सौम्यो ने विगत दिसम्बर माह कश्मीर में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ग्रेपलिंग अंडर 11प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। जिसे देश, राज्य, जिला और गांव का नाम रोशन किया है। इस दौरान राष्ट्रीय ग्रेपलिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेतो सौम्यो कुमारी को प्रशस्ति पत्र एवं गुलदस्ता देकर एसडीओ राकेश कुमार ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आगे बढने के लिए अनुमंडल प्रशासन की ओर हर संभव सहयोग करने को लेकर प्रयास किया जाएगा। उन्होंने उज्जवल भविष्य की कामना की।

एक कार्यक्रम के दौरान डीजीपी विनय कुमार ने लोगों को दी सीख

कहीं भी अश्लील गाना बजे तो विरोध में आवाज उठाएं महिलाएं

केटी न्यूज/पटना

घर के बूढ़े जब नाच देखेंगे तो उनके बच्चे बलात्कारी बनेंगे ही, सबसे जरूरी है, सबकी सोच को सही करना है। उक्त बातें डीजीपी विनय कुमार ने एक कार्यक्रम के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि जब अश्लील गानें बज रहे हैं तब महिलाओं को खुद ही आवाज उठानी चाहिए। महिलाएं अगर घर से बाहर निकलकर ऐसे गाने बजाने पर रोक लगाने की बात करें तो सब बंद हो जाएगा। डीजीपी विनय कुमार ने बिना नाम लिए जेडीयू विधायक पर कहा कि महिला के गाल पर नोट सटाने वालों को सबक सिखाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बच्चों के हाथ में मोबाइल आ गया है, लेकिन यह गार्जियन का काम है कि इन पर नजर रखें। डीजीपी ने इस दौरान सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पहले महिलएं थाना जाने से संकोच करती थी, डरती थी। अब निडर होकर वह जा रही है। क्योंकि राज्यभर में महिला पुलिस स्टेशन का निर्माण हुआ है. जहां महिला पुलिस अधिकारी ही उसे लीड करती हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने कहा, भोजपुरी गानों की अश्लीलता के कारण बिहार बदनाम हो रहा है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि अब से ऐसे गाने न देखेंगे न देखने देंगे, न सुनेंगे न सुनने देंगे।

साहसी हैं... मेरा वीडियो वायरल नहीं होगा तो किसका होगा : गोपाल मंडल

भागलपुर। भागलपुर के गोपालपुर से जेडीयू एमएलए गोपाल मंडल ने कहा है कि मैं साहसी आदमी हूं, मेरा वीडियो वायरल नहीं होगा, तो किसका होगा। विधायक ने ये बातें बुधवार को विधानसभा सत्र के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कही। 9 मार्च को ऑर्केस्ट्रा डांसर के गाल पर नोट सटाने वाले वीडियो को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि हम बैठे हुए थे, वो किसी तरफ से आई और झुक गई। हम 500 रुपए का नोट निकाल कर दे दिए। वह झुकी हुई थी, तो नोट उसके गाल में सट गया। हम गाल में नोट काहे सटाएंगे। दरअसल, बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में उड़ान कार्यक्रम में इशारे-इशारे में विधायक को आड़े हाथों लिया था। उन्होंने कहा था कि जनप्रतिनिधि को अश्लील गाना गाना और ऑर्केस्ट्रा गर्ल के साथ ऐसा व्यवहार करना शोभा नहीं देता है। इसी से संबंधित सवाल पर गोपाल मंडल ने ये जवाब दिया।होली से जुड़े कार्यक्रम में अश्लील गाना गाए जाने के सवाल पर गोपाल मंडल ने कहा कि मैं जहां था, वहां चार माइक था, पता नहीं उसमें कौन क्या बोल गया। सिंगर छैला बिहारी ही गाना शुरू किए थे, छैला बिहारी ही बोले तो हम डांस करने लगे, जो कुछ कहा जा रहा है, हम किसी तरह का अश्लील गाना नहीं गाए हैं। इसके बाद जब पत्रकारों ने कहा कि होली के दौरान आपका कई वीडियो वायरल हुआ है तो उन्होंने कहा कि होली में वीडियो वायरल नहीं होगा तब कब होगा।

कई पुलों पर प्रतिबंधित रहेगा भारी वाहनों का आवागमन: परिवहन मंत्री

केटी न्यूज/पटना

सूबे में पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कई अहम निर्देश जारी किए। बैठक में विभागीय अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, बीएसआरडीसी के प्रबंध निदेशक शीर्षित कपिल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री ने बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि फिलहाल कोईलवर पुल, छपरा पुल सहित अन्य प्रमुख पुलों पर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इस बाबत संबंधित जिलाधिकारियों और परिवहन विभाग को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं। बैठक के दौरान मंत्री ने सीएम नीतीश कुमार द्वारा आरंभ की गई प्रगति यात्रा में शामिल योजनाओं को तेजी से क्रियान्वित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने की सख्त हिदायत दी। मंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार का लक्ष्य प्रदेश के चारों दिशाओं में समग्र विकास सुनिश्चित करना है, जिसमें सड़क और पुल-पुलियों की कनेक्टिविटी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। समीक्षा बैठक में नितिन नवीन ने स्पष्ट किया कि सिर्फ निर्माण कार्य ही नहीं, बल्कि सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण भी विभाग की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिन एजेंसियों को रख-रखाव की जिम्मेदारी दी गई है।

कैमूर में सास-बहू गैंग गिरफ्तार, लाखों का आभूषण व पैसा बरामद

केटी न्यूज/कैमूर

कैमूर जिले में पुलिस ने विदेशी मुद्रा और लाखों के सोने-चांदी के आभूषणों के साथ एक सास-बहू गैंग को गिरफ्तार किया है। इन गहनों की बाजार में कीमत 13 लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है। कैमूर पुलिस के अनुसार, यह दोनों महिलाएं लोगों को झांसा देकर गहनों की चोरी किया करती थीं। कैमूर एसपी हरिमोहन शुक्ला ने बताया कि 17 मार्च को भभुआ वार्ड नंबर 13 निवासी राजगृह तिवारी की पत्नी बिंदु देवी ने भभुआ थाना में आवेदन दिया था। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि भभुआ एकता चौक से ई-रिक्शा में घर लौटने के दौरान उनके सोने-चांदी के गहने चोरी कर लिए गए। एसपी के निर्देश पर भभुआ थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने एक विशेष छापामारी दल का गठन किया। जांच के बाद पुलिस ने रामगढ़ थाना क्षेत्र के डरहक गांव निवासी स्वर्गीय सुरेंद्र सेठ की पत्नी जीरामुनि देवी और उमेश सेठ की पत्नी ज्योति देवी को हिरासत में लिया। ये दोनों आपस में सास-बहू हैं। गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने आरोपी महिलाओं के घर छापेमारी की, तो वहां से 10 लाख रुपये और लगभग 3.25 लाख रुपये बरामद किए गए। 41,866 रुपये नकद और कुछ विदेशी मुद्रा भी जब्त की गई।

संक्षिप्त समाचार

अपराधियों के निशाने पर कोयला कारोबारी, रंगदारी वसूलने के लिए सक्रिय हैं ये गिरोह

रांची, एजेंसी। झारखंड में कोयला कारोबारी अपराधियों के निशाने पर हैं। ये अपराधी रंगदारी वसूलने के लिए लगातार कोयला कारोबारियों और अफसरों को निशाना बना रहे हैं। अपराधियों का एक और मकसद कोयलांचल में अपना वर्चस्व स्थापित करना है। कोयला कारोबार वाले क्षेत्रों में वर्चस्व कायम करने और रंगदारी वसूलने के लिए संगठित आपराधिक गिरोह लगातार सक्रिय हैं। रांची में 7 मार्च 2025 को कोयला ट्रांसपोर्टर बिपिन मिश्रा को राजधानी के पॉश इलाके में दिन-दहाड़े गोली मार दी गयी थी। इस केस की पुलिस ने ठीक से जांच भी शुरू नहीं की थी कि अगले दिन 8 मार्च 2025 को हजारीबाग में एनटीपीसी के डीजीएम कुमार गौरव गोली मारकर हत्या कर दी गयी। इन दो घटनाओं ने कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी। कोयलांचल में वर्चस्व स्थापित करने के लिए आपराधिक गिरोह लंबे समय से ऐसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इतना ही नहीं, रेलवे साइडिंग पर आये दिन फायरिंग होती रहती है। विकास कार्यों के अलावा जमीन और रियल इस्टेट के धंधे से जुड़े लोगों को भी रंगदारी नहीं देने पर अपराधी निशाना बनाते रहे हैं।

कतरास में रिटायर्ड कोल कर्मी के घर में लगी आग, 20 लाख का नुकसान

कतरास (धनबाद), एजेंसी। धनबाद जिले के कतरास थाना क्षेत्र के तेलियाबांध आमटांड़ में एक आवास में बुधवार अपराह्न 11 बजे आग लग गयी। इसमें घर में रखे सभी सामान जलककर खाक हो गये। सूचना मिलने पर कतरास के थानेदार असीत कुमार सिंह अपनी टीम के साथ पहुंचे और मामले की जानकारी ली। आस-पड़ोस के लोगों की मदद से एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। भुक्तभोगी मेवालाल प्रमाणिक भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) सिजुआ क्षेत्र से रिटायर हुए हैं। उन्होंने बताया कि दिन में 11 बजे अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गयी। उस समय पत्नी और एक बच्चा घर पर था। देखते ही देखते पूरा घर आग की लपटों से घिर गया। मेवालाल ने कहा कि घर में रखे सभी सामान जलकर राख हो गये। इसमें टेलीविजन, बेड, सोफा सेट सहित दर्जनों कीमती सामान शामिल हैं। पड़ोसियों की मदद से आग को बुझाया गया। मेवालाल प्रमाणिक ने 15 से 20 लाख रुपए के नुकसान की बात कही है।

पाटन में आपसी विवाद में युवक को गोली मारी, रिम्स रेफर

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के निमियां गांव के धीरेंद्र सिंह (35) को गांव के ही विजय कुमार सिंह ने गोली मार दी है। धीरेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गये। परिजन घायल धीरेंद्र सिंह को मेदिनीनगर एमएमसीएच ले गये। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने रिम्स रांची रेफर कर दिया। लोगों ने बताया कि रविवार को दिन में होली के अवसर पर निमियां विद्यालय परिसर में ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत सिंह उर्फ चिंटू सिंह ने किया था। कार्यक्रम में दोनों पक्षों में विवाद हो गया। शाम में कार्यक्रम संपन्न होने के बाद सभी लोग अपने-अपने घर चले गये। आरोप है कि रात के करीब 10 बजे विजय सिंह और रंजीत सिंह उर्फ चिंटू सिंह भुक्तभोगी धीरेंद्र सिंह के घर पर पहुंचे। विजय सिंह ने धीरेंद्र सिंह को गोली मार दी। ग्रामीणों ने बताया कि पहले से ही दोनों के बीच विवाद चल रहा था। ऑर्केस्ट्रा के दौरान दोनों के बीच नोंक-झोंक के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पाटन थाना प्रभारी लालजी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी। आरोपी विजय कुमार सिंह और झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह उर्फ चिंटू सिंह को हिरासत में ले लिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आपसी विवाद में गोली मारी गयी। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक परिजनों ने थाने में कोई शिकायत नहीं की है।

नये परिसीमन से झारखंड में घटेगी आदिवासी सीटों की संख्या! सदन में हुई चर्चा

रांची, एजेंसी। एसटी, एससी, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अनुदान मांग पर जवाब देते हुए विभागीय मंत्री चमरा लिंडा ने 2026 में होने वाले परिसीमन का मामला उठा दिया, जिसपर लंबी बहस हुई। मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि 2002 में केंद्र में भाजपा की सरकार थी। तब परिसीमन के तहत छह आदिवासी सीटें घटाने की तैयारी हो चुकी थी। उस वक्त शिबू सोरेन ने पीएम से मिलकर तर्क पेश किया था। उन्होंने कहा था कि आदिवासी जंगल और पहाड़ में रहते हैं। वहां जनसंख्या नहीं घटी है।

उन्होंने बताया कि सिसई और बिशुनपुर में जनसंख्या नहीं घटी है। जनसंख्या बढ़ रही है शहरों में। वहां सीटों की संख्या घटाएं। तब पीएम ने 2008 में अमेंडमेंट कर दिया। इस वजह से झारखंड बच गया। फिर 2026 में बाद परिसीमन आने वाला है। इसको रोकने के लिए विपक्ष का सहयोग जरुरी है।

खतरे में आदिवासी, एनआरसी जरुरी- बाबूलाल मरांडी : परिसीमन का मामला उठते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि एनआरसी कराना जरुरी है। सरकार को पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 1951 से 2011 के बीच हुए जनगणना के दौरान आखिर आदिवासियों की संख्या क्यों घटी है। दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय की संख्या क्यों बढ़ी है। जाहिर है कि आदिवासी की जनसंख्या घटने पर विधानसभा, लोकसभा की सीटों के साथ-साथ नौकरियों पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सीट ना घटे, इसके पक्षधर हम भी हैं। लेकिन जब आबादी ही नहीं रहेगी तो आदिवासी एमएलए कैसे बनेगा। आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। इसलिए एनआरसी जरुरी है या राज्य सरकार खुद कमेटी बनाकर जांच कराए।

संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के सुझाव पर आपत्ति है। यह चिंता का विषय हो सकता है कि आदिवासी समाज की जनसंख्या घटी है लेकिन मुस्लिम आबादी बढ़ी है, ये चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। इस भावना को वापस लिया जाना चाहिए।

परिसीमन रोकने में सबका मिला साथ- हेमलाल मुर्मू : झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि उस वक्त सोनिया गांधी, प्रणव मुखर्जी और लालकृष्ण आडवाणी ने आदिवासी हित में माना था कि झारखंड में परिसीमन कमीशन ना भेजा जाए। क्योंकि सीटें घटने से आदिवासी संस्कृति प्रभावित होती। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि डिलिमिटेशन को झारखंड में लागू होने से रोकने के लिए पहल करना चाहिए।

आरक्षण पर चला सवाल-जवाब का दौर : परिसीमन पर बहस के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने बाबूलाल मरांडी पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण था। लेकिन उनके कार्यकाल में यहां आरक्षण 14 प्रतिशत हो गया। वहीं कई जिलों में ओबीसी आरक्षण शून्य हो गया। जब 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है तो किस आधार पर नेता प्रतिपक्ष कह रहे हैं कि आदिवासियों की आबादी घटी है।

मंत्री चमरा लिंडा कह रहे हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी नहीं घटी है। सिर्फ शहरों में आबादी कैसे घटी। कौन लोग रांची, जमशेदपुर, बोकारो, धनबाद और हजारीबाग में बाहर से आ गये। वैसे लोगों ने झारखंड की डेमोग्राफी बिगाड़ी है।इसपर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि एकीकृत बिहार में आदिवासी को 26 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिलता था। राज्य विभाजन के बाद आरक्षण की व्यवस्था का बदलना था। एससी को 10 प्रतिशत आरक्षण मिला। चूकि 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण नहीं मिल सकता था, इसलिए ओबीसी को 14 प्रतिशत आरक्षण मिला। फिर भी 73 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया था। ओबीसी को 27 प्रतिशत देने की पैरवी की थी लेकिन कोर्ट में मामला गिर गया। ये सारी बातें फाइल में मौजूद हैं। जिन जिलों में आरक्षण शून्य है वहां 1991 से व्यवस्था लागू है। इसलिए इस तरह का आरोप लगाना कि मेरे शासनकाल में ओबीसी का आरक्षण घटा है, यह सही नहीं है।

इस बीच ध्वनिमत से एसटी, एससी, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की अनुदान मांग पारित हो गई। इससे पहले मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि आदिवासी समाज अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। अब मांदर की धुन बहुत कम सुनाई देती है। इसलिए सभी आदिवासी बहुल गांवों के लिए मांदर और नगाड़ा वितरित किया जाएगा।

खनिज संसाधनों की कमीः झारखंड की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा

रांची, एजेंसी। झारखंड में खनिज संसाधनों की कमी एक बड़ी समस्या है। हालांकि खनिज उत्पादन से राजस्व संग्रह में वृद्धि हुई है। लेकिन यह अभी भी राज्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। झारखंड में लौह अयस्क की कमी एक बड़ी समस्या है। राज्य में लौह अयस्क का उत्पादन 21।434 हजार टन से बढ़कर 24,728 हजार टन हो गया है। लेकिन यह अभी भी राज्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसका खुलासा आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में हुआ है। बॉक्साइट और तांबा अयस्क की कमी भी एक बड़ी समस्या है। बॉक्साइट का उत्पादन 2020-21 में 1,497 हजार टन से बढ़कर 2021-22 में 1,819 हजार टन हो गया है। लेकिन तांबा अयस्क का उत्पादन 2020-21 में 42 हजार टन से गिरकर 2021-22 में 26 हजार टन हो गया है।

ग्रेफाइट और क्यानाइट की कमी भी एक बड़ी समस्या है। ग्रेफाइट के उत्पादन में कमी हुई है, जो 2020-21 में 5,962 टन से घटकर 2021-22 में मात्र 21 टन रह गई है। क्यानाइट के उत्पादन में तेज़ वृद्धि देखी गई है, जो एक खदान से 2,899 टन तक पहुंच गया है।

इंडियन ऑयल टर्मिनल जसीडीह में लगी आग पर कंपनी के ईडी का स्पष्टीकरण

देवघर, एजेंसी। जिले के जसीडीह में इंडियन ऑयल के टर्मिनल के पास लगी भीषण आग पर कंपनी ने स्पष्टीकरण दिया है। कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (सीसी एंड ब्रांडिंग), मार्केटिंग हेड ऑफिस मुंबई जॉन के प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि 18 मार्च 2025 को इंडियन ऑयल के न्यू टैंक ट्रक पार्किंग एरिया के ग्रीन बेल्ट एरिया में आग लपग गयी थी। यह इलाका इंडियन ऑयल टर्मिनल के बाहर का इलाका है। कंपनी ने कहा है कि इंडियन ऑयल टर्मिनल के पास धुआं का गुबार देखा जा रहा था, क्योंकि सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के तहत एमडीपीई पाइप में आग लग गयी थी। जॉन प्रसाद के ने कहा है कि आग कैसे लगी, इसकी जांच के लिए एक टीम का गठन कर दिया गया है।

इंडियन ऑयल ने कहा है कि तत्काल आग को नियंत्रित करने के लिए इंडियन ऑयल की सभी इमरजेंसी रिस्पांस टीम के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन और जिला प्रशासन की मदद ली गयी। आग को नियंत्रित कर लिया गया। इंडियन ऑयल और प्रशासन की सक्रियता की वजह से कोई दुर्घटना नहीं हुई। कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। कंपनी ने आगे कहा है कि जिस वक्त आग लगी, उस समय टैंक ट्रक पार्किंग एरिया में कोई टैंक ट्रक नहीं था। मुस्तैदी के साथ आग पर नियंत्रण पा लिया गया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के टर्मिनल परिसर और आसपास के इलाकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गयी। जॉन प्रसाद के ने कहा है कि इंडियन ऑयल सुरक्षा के सर्वोच्च मानकों का पालन करता है। इसलिए आग लगने की वजह से कोई बड़ी क्षति नहीं हुई। इस दौरान इंडियन ऑयल के सामान्य ऑपरेशन में भी कोई बाधा नहीं आयी। यानी काम सामान्य रूप से चलता रहा।

मंगलवार को जसीडीह इंडस्ट्रियल एरिया में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पास झाड़ियों में लगी आग ने भीषण रूप ले लिया था। इसकी वजह सके एहतियातन पास के गांव को खाली करा लिया गया। खतरे की आशंका के मद्देनजर जसीडीह स्टेशन पर उस समय खड़ी पैसेंजर ट्रेनों और मालगाड़ियों को वहां से रवाना कर दिया गया था।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना महोत्सव में 80 से ज्यादा सजाए गए स्टॉल, लाभार्थी बने स्वावलंबी

हजारीबाग, एजेंसी। जिले में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना महोत्सव की शुरूआत हुई। 2 दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन उद्योग श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने की। इस महोत्सव में 12 जिलों के लगभग 80 स्टॉल लगाए गए हैं। ये वैसे स्टॉल है, जिन्होंने योजना का लाभ लिया और खुद का व्यवसाय शुरू करके स्वावलंबी की एक नई कहानी लिखी है। कई स्टॉल ऐसे भी है जिसमें महिलाएं समूह लोन लेकर उत्पाद बना रही हैं।

समूह को 1 करोड़ से 3 करोड़ तक का प्रावधान : झारखंड सरकार में मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि यह योजना आम लोगों के लिए बेहद लाभदायक है। जिसके जरिए लाभार्थी अपना उत्पाद बाजार में बेच रहे हैं और आत्मनिर्भर हो रहे हैं। इसमें समूह में लोन लेने के लिए 1 करोड़ रुपए से लेकर 3 करोड़ रुपए तक का प्रावधान है। वहीं निजी स्तर पर 10 लाख रुपए का लोन ले सकते हैं। जिसमें सब्सिडी का भी प्रावधान है। अपने उत्पाद को बेहतर पैकेजिंग करके मार्केट में लाभार्थी बेच रहे हैं। कई ऐसे स्टॉल हैं, जो आज के समय में लाखों रुपए का व्यवसाय कर रहे हैं। जिससे वह आर्थिक रूप से संपन्न हो रहे हैं।

मिल का पत्थर साबित हो रही है केंद्र सरकार की योजनाः श्रम मंत्री : श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने इस दौरान सभी स्टॉल का निरीक्षण किया और उद्यमियों से चर्चा भी की। उन्हें बताया कि इस योजना का लाभ कैसे उठाएं केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकार भी वैसे लोग जो फूड प्रोसेसिंग में काम करना चाहते हैं उन्हें बेहतर मौका दे रही है। इस दौरान इन्होंने एक दुकान से रागी और ज्वार का आटा भी लिया। उद्यमी ने बताया कि केंद्र सरकार की योजना मिल का पत्थर साबित हो रही है।

उत्पाद से लेकर पैकेजिंग तक की जानकारी लोगों को दी जा रही हैः नैंसी सहाय : हजारीबाग उपयुक्त नैंसी सहाय ने कहा कि उद्यमियों को एक अच्छा मौका मिला है। इस महोत्सव में वह अन्य लोगों से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अपना उत्पाद बनाना और बेहतर पैकेजिंग करके बाजार में उतारना यह तमाम बिंदुओं की जानकारी एक परिसर में लोगों को दी जाती है।

प्रधानमंत्री की परिकल्पना है आत्मनिर्भर भारत अभियान : दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना की है। उनकी इस सोच को झारखंड के कई उद्यमी जिसमें महिलाओं की संख्या ज्यादा है वह धरातल पर उतर रही है। जिससे सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि उनके साथ जुड़े हुए कई लोग रोजगार से जुड़ रहे हैं।

खेलगांव हाउसिंग में छत से गिरकर सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल की मौत, बिहार के रहने वाले थे दिवाकर सिंह

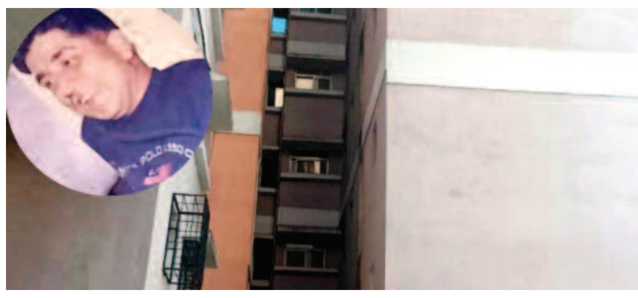

रांची, एजेंसी। खेलगांव हाउसिंग सोसायटी में रहने वाले लेफ्टिनेंट कर्नल दिवाकर सिंह का शव पुलिस ने मंगलवार की सुबह पार्किंग एरिया से बरामद किया।

पुलिस आत्महत्या एवं दुर्घटना दोनों एंगल से जांच कर रही है। वे 47 वर्ष के थे और मानसिक परेशानी से जूझ रहे थे। अपनी बेटी व पत्नी के साथ खेलगांव में रह रहे थे। वे बिहार के मुजफ्फरपुर जिला के रहने वाले थे। उनकी पोस्टिंग दीपाटोली (रांची) स्थित सेना के मुख्यालय में थी। खेलगांव हाउसिंग सोसायटी में शव पड़े होने की सूचना पर मंगलवार की सुबह पुलिस पहुंची।

पुलिस ने पाया कि दिवाकर सिंह की मौत हो चुकी है। शव को सबसे पहले गार्ड ने देखा। लेफ्टिनेंट कर्नल की पत्नी ने पुलिस को बयान दिया है कि दिवाकर शाम से छत पर बैठे हुए थे।

वह अक्सर छत पर घंटो बैठते थे। सोमवार की रात पत्नी ने दिवाकर को कई बार फोन कर घर के अंदर आने के लिए कहा था। वे बार-बार यही कह रहे थे कि कुछ देर में आते हैं।

इसके बाद पत्नी अपनी बेटी के साथ सो गई। सुबह में पत्नी को पता चला कि छत से गिरने से दिवाकर की मौत हो गई है। खेलगांव थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया-शुरुआती जांच में पता चला है कि पैसे को लेकर दिवाकर परेशान थे। हालांकि घरेलू और कार्यालय की भी परेशानी हो सकती है।लेफ्टिनेंट कर्नल दिवाकर सिंह की पत्नी ने पुलिस को बयान दिया है कि उनका इलाज चल रहा था। वह मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे। दिवाकर को दवा दी जा रही थी।

तीन माह से ज्यादा परेशान चल रहे थे। वे कार्यालय में आर्मी सप्लाई कोर का काम देखते थे। पिछले एक साल से अध्ययन के लिए अवकाश पर थे। दिवाकर किस बात को लेकर परेशान थे, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

दिवाकर सिंह का बेटा दिल्ली में रहकर एमबीए की तैयारी कर रहा है। उसे घटना की जानकारी दे दी गई है।

महिला से अनैतिक संबंध के चक्कर में नप गए डीएसपी, सीएम हेमंत सोरेन ने किया सस्पेंड

रांची, एजेंसी। झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया डीएसपी प्रदीप कुमार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सस्पेंड कर दिया है। प्रदीप कुमार को सस्पेंड करते हुए उन पर विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रदीप कुमार, तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक, एटीएस, रांची को निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई संचालित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। पीआरडी द्वारा जारी किए गए प्रेस विज्ञप्ति में यह बताया गया है कि डीएसपी प्रदीप कुमार के आचरण तथा कृत्यों से पुलिस की गरिमा तथा छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जिस वजह से उनके विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश मुख्यमंत्री ने दिया है।

क्या है पूरा मामला : पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार डीएसपी प्रदीप कुमार का एक महिला के साथ गलत संबंध था। जब महिला के पति को इस संबंध में जानकारी हुई तो उसने डीएसपी प्रदीप कुमार को समझाने की काफी कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। जिसके बाद महिला के पति ने पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखकर मामले की जांच और डीएसपी पर कार्रवाई करने के लिए आवेदन दिया।

पुलिस मुख्यालय के द्वारा की गई जांच में डीएसपी दोषी पाए गए। जिसके बाद सीएम हेमंत सोरेन ने डीएसपी प्रदीप के निलंबन पर अपनी मुहर लगा दी। जानकारी के अनुसार मामला उस समय का है जब प्रदीप कुमार एटीएस में पदस्थापित थे। वर्तमान समय में प्रदीप कुमार चतरा के सिमरिया एसडीपीओ के रूप में पदस्थापित थे।

दो अलग-अलग घटनाओं में एटीएम से करीब 16 लाख की चोरी, आरोपियों को पकड़ने में जुटी पुलिस

कोडरमा, एजेंसी। जिले में आरोपियों के हौसले इतने बुंलद है कि वे एक साथ चोरी की दो अलग-अलग घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पहला मामला कोडरमा के चंदवारा थाना क्षेत्र के थाम का है जहां बीती रात आरोपियों ने एसबीआई की एटीएम मशीन से कैश चोरी की घटना को अंजाम दिया। वहीं दूसरी घटना हजारीबाग स्थित बरसोत में घटी है, जहां कुछ अज्ञात आरोपियों ने पहले एटीएम का शटर तोड़ा और फिर ताले को गैस कटर की मदद से काटते हुए कैश चोरी करके फरार हो गए।

पुलिस के मुताबिक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ढाब शाखा से सटे एटीएम में आरोपियों ने शटर के ताले को गैस कटर की मदद से काटा और एटीएम के कैश बॉक्स को लेकर आरोपी फरार हो गए। हालांकि चोरी के दौरान सायरन आलर्म बजने के कारण स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और चोरी की घटना की सूचना चंदवारा थाना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे।

घटना की जानकारी देते हुए चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार ने बताया कि देर रात सूचना मिलने के बाद हम लोग मौके पर पहुंचे। शीर्ष पदाधिकारियों को इसकी सूचना देते हुए कहा कि टेक्निकल टीम की मदद से जांच पड़ताल की जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है और जल्द ही मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार उक्त एटीएम मशीन में मंगलवार को ही बैंक द्वारा कैश रखा गया था।

काले रंग की गाड़ी में सवार थे 3 आरोपीः पुलिस : इधर, एटीएम से सटे पास में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर पाया गया कि एक काले रंग के वाहन से तीन की संख्या में अज्ञात लोग आए और एटीएम की तरफ गए। वाहन रात के 12 बजकर 50 मिनट पर एटीएम के पास पहुंची और घटना को अंजाम देकर वापस 1:04 मिनट पर वहां से फरार हो गए। इस पूरी घटना को अंजाम देने में उन्हें महज 12 मिनट लगे।

एक दिन में चोरी की दो घटनाएं : हजारीबाग स्थित बरसोत में भी ठीक ऐसी ही घटना को अज्ञात आरोपियों ने अंजाम दिया है। जहां आरोपियों ने एटीएम का शटर तोड़कर ताले को गैस कटर से काटते हुए एटीएम मशीन से कैश चोरी करके फरार हो गए। चंदवारा पुलिस को संदेह है कि उक्त घटना और चंदवारा के ढाब में घटी घटना को अंजाम देने वाले एक ही लोग हैं। क्योंकि वहां पर भी काले रंग के वाहन से 3 लोग को देखा गया है। जिन्होंने चोरी की घटना को अंजाम दिया।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस : इधर, बुधवार सुबह 10 बजे बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजित कुमार विमल और बरही थाना प्रभारी आभास कुमार भी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। बरही एसडीपीओ अजित कुमार बिमल ने बताया कि एटीएम से कैश की चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। कोडरमा के थाम एटीएम से 9 लाख 99 हजार 500 रुपये और बरही के बरसौत से 6 लाख 17 हजार रुपये की चोरी को अंजाम दिया गया हैं। उन्होंने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा हैं ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

आरपीएफ ने 10 नाबालिगों को तस्कर से चंगुल से कराया मुक्त, झारखंड से 10 बच्चों को भेजा जा रहा था दिल्ली

पलामू, एजेंसी। रेलवे सुरक्षा बल ने 10 नाबालिगों को मुक्त करवाया है। नाबालिगों को दिल्ली के एक कूलर फैक्ट्री में काम करवाने के लिए ले जाया जा रहा था। सभी नाबालिग झारखंड के पलामू और लातेहार जिले के रहने वाले हैं। मौके से पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने के आरोप में एक युवक को भी गिरफ्तार किया है।

दरअसल, पलामू के डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल के जवान नियमित गश्ती कर रहे थे। इसी क्रम में जवानों की नजर बच्चों की एक टोली पर पड़ी। जवानों ने जब पूछताछ की तो मामले का पता चला। बच्चों को कूलर फैक्ट्री में काम करवाने के लिए दिल्ली ले जाया जा रहा था। सभी के पास जनरल टिकट थे।

आरपीएफ की टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए मौके से पलामू के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के लोहरसी के रहने वाले नौशाद आलम को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के क्रम में यह बताया गया कि सभी नाबालिग पलामू के पांकी और लातेहार के सीमावर्ती इलाके के गांव के हैं। सभी नाबालिगों को नौ हजार रुपये मासिक वेतन का लोभ देकर ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपी की तरफ से ही सभी नाबालिगों का जनरल टिकट कटवाया गया था।आरोपी के पास से दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन तक का 11 रेलवे टिकट बरामद किया गया है। पूरे मामले में रेलवे सुरक्षा बल के तरफ से मेदिनीनगर के एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थाना में एफआईआर दर्ज करवायी गई है।

सुभाषितम्

हमेशा मित्रता करते समय धीमे रहिए, पर जब एक बार मित्रता कर लें, तो उसे हमेशा मजबूती के साथ निभाइए। **- चाणक्य**

सरकारों ने पुलिसबल के पंजे नोचकर अक्षम बनाया?

सोशल मीडिया पर मध्य प्रदेश पुलिस के 50000 सिपाही, हेड कांस्टेबल, एसआई, एएसआई, तथा टाउन इंस्पेक्टर बगावत की मुद्रा में हैं। मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में पुलिस न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए सोशल मीडिया पर उतरी है। कानून व्यवस्था की स्थिति में पुलिस को भाजपा के आनुवांशिक संगठनों तथा भीड़तंत्र द्वारा पुलिस पर हमले किये जा रहे हैं। उससे पुलिसकर्मियों को दोहरी मार झेलना पड़ रही है। भीड़ में पुलिस पिट रही है। पुलिस का भय खत्म होता जा रहा है। सरकारें भी भीड़ के दबाव में पुलिसकर्मियों को दंडित करती हैं। इससे पुलिसबल नाराज है। मध्यप्रदेश के मऊगंज में एएसआई की हत्या और इंदौर में वकीलों द्वारा पुलिस के साथ हाल ही में मारपीट के मामले ने मध्य प्रदेश की पुलिस को उत्तेजित कर दिया है। इंदौर में वकीलों और पुलिस की झड़प में पुलिस बल के कुछ लोगों को निलंबित किए जाने से नाराज पुलिस बल ने सोशल मीडिया मे ब्लैक होल की तस्वीर लगाकर विरोध करना शुरू कर दिया है। छतरपुर के सब इंस्पेक्टर अवधेश कुमार दुबे ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उल्लेख है, क्यों पुलिस भीड़ तंत्र का शिकार बन रही है। हमें ऐसा लग रहा है कि हमारे पंजे नोच लिए गए हैं। क्या वक्त आ गया है। हमसे कहा जा रहा है, तीर चलाओ और परिंदों को भी बचाओ। सोशल मीडिया में पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री से गुहार लगाई गई है। एक बार पुलिस बल की ओर भी देखिए। हमारा दम्भ तो जिंदा रहने दीजिए। मऊगंज में आदिवासियों के हमले में शहीद एएसआई रामचरण गौतम की मौत के बाद मध्य प्रदेश पुलिस में बड़ी नाराजी देखने को मिल रही है। पिछले कुछ वर्षों से भीड़ के द्वारा पुलिस बल पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इन हमलों में आम लोगों के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी से जुड़े अनुवांशिक संगठन के कार्यकर्ता भी समय-समय पर सड़क और थाने के अंदर घुसकर जिस तरह का व्यवहार पुलिस के साथ करते हैं, उससे पुलिस का मनोबल लगातार गिर रहा है। देश के अधिकांश राज्यों में यही स्थिति है। पुलिस के ऊपर भीड़ द्वारा दबाव बनाया जाता है। पुलिस के ऊपर भीड़ हिंसक हमले करती है। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त भीड़ दबाव बनाकर पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार करती है। उसके बाद ट्रांसफर, निलंबन इत्यादि की कार्रवाई से पुलिसकर्मी नाराज हैं। पिछले कुछ वर्षों में सभी राज्यों में भीड़ द्वारा पुलिस को निशाना बनाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पुलिस की कोई गलती भी नहीं होती है। कानून व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए कभी-कभी उसे बल का प्रयोग भी करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में शासन का संरक्षण मिलने के स्थान पर पुलिसकर्मियों के ऊपर ही कार्रवाई की जाती है। भीड़ और सरकार का गुस्सा पुलिसकर्मियों पर ही फूटता है। पिछले कुछ वर्षों में स्थिति बहुत खराब हो गई है। पुलिस खड़े-खड़े या तो तमाशा देखती रहे? या स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए वह बल का प्रयोग करे। खामियाजा पुलिसकर्मियों को ही भुगतना पड़ रहा है। धीरे-धीरे पुलिस की नाराजी बढ़ती जा रही है। पुलिस सोशल मीडिया में आकर अपना विरोध प्रदर्शन कर रही है। पुलिसकर्मियों की शिकायत है, पुलिस बल का उपयोग अब कानून व्यवस्था के स्थान पर राजनीतिक हितों को साधने के लिए किया जा रहा है। अपराधी प्रकृति के लोग राजनेता बनकर घूम रहे हैं। वह पुलिस के ऊपर समय-समय पर अनावश्यक दबाव बनाते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुलिसकर्मियों को संरक्षण नहीं दिया जाता है। पुलिस खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रही है। ऐसी स्थिति में पुलिस बगावत की मुद्रा में आ गई है। पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अनुवांशिक संगठनों के कार्यकर्ता और राजनेता पुलिस के ऊपर ऐसे कामों को करने के लिए दबाव बनाते हैं। जो उनके कार्य की परिधि में नहीं आते हैं। इसका खामियाजा भी पुलिसकर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। व्यक्तिगत स्तर पर पुलिसकर्मियों के ऊपर मुकदमे दर्ज हो रहे हैं। जिसके कारण उन्हें लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

चिंतन-मनन

कैसे जानेंगे कि आप ताकतवर हैं या कमजोर

हमलोगों में एक बड़ी ही अजीब बात है अगर सामने वाला अपने से कमजोर दिखता है तो हम उसकी छोटी सी गलती पर भी भड़क उठते हैं और मार-पीट करने तक के लिए तैयार हो जाते हैं। इसके उलट अगर सामने वाला ताकतवर है तो उसकी बड़ी गलती पर भी खामोश रह जाते हैं। इसकी वजह है हमारी कमजोरी। हम अपनी कमजोरी को छुपाने के लिए ही कमजोर के सामने अपनी ताकत की नुमाईश करते हैं। तकतवर तो वह होता है जो अपनी शक्ति का प्रयोग कमजोर पर नहीं करता है। इस संदर्भ में एक कथा उल्लेखनीय है। गुरू गोविंद सिंह जी का एक शिष्य था। एक बार वह गुरू जी के पास आकार बोला कि, आज मार्ग में एक दुबले-पतले व्यक्ति ने मेरा अपमान किया। इस पर मैंने उसकी खूब पिटाई की। गुरू जी ने कहा, यह तो तुमने बहुत ही गलत किया। कुछ दिनों बाद वही शिष्य गुरू जी के पास आया और बोला आज एक व्यक्ति ने फिर मेरा अपमान किया, लेकिन मैंने उसे कुछ नहीं कहा। गुरू जी ने पूछा, वह व्यक्ति कैसा था। शिष्य ने जवाब दिया, काफी हट्टा-कट्टा और तंदुरूस्त था। गुरू गोविंद सिंह जी ने कहा कि, तुमने बहुत ही गलत किया जो उसे अपमान का उत्तर नहीं दिया। गुरू का उत्तर सुनकर शिष्य बड़ा हैरान हुआ और कहा कि, पिछली बार जब मैंने अपमान करने वाले की पिटाई की तब भी आपने मुझे गलत कहा था और इस बार जब मैंने अपमान का कोई उत्तर नहीं दिया तब भी आप मुझे गलत कह रहे हैं। आखिर मुझे करना क्या चाहिए? गुरू जी ने शिष्य को समझाया, पिछली बार तुमने एक कमजोर व्यक्ति की पिटाई की थी। इस बार तुम्हारा अपमान एक सबल व्यक्ति ने किया था। तकतवर व्यक्ति की पहचान यही है कि, वह कमजोर पर हाथ न उठाए और सबल व्यक्ति के द्वार किये गये अपमान को सहन न करे।

गौरैया के बिना जीवन संगीत अधूरा

ललित गर्ग

गौरैया विलुप्त होने की कगार पर पंहुची विश्व की सबसे पुरानी पक्षी प्रजाति है। सुदूर अतीत से पिछले एक-दो दशक तक हमारे घर-आंगन में फुदकने वाली एवं हमारे जीवन संगीत का अहम हिस्सा गौरैया आज विलुप्ति के कगार पर है। घरों को अपनी चीं-चीं से चहकाने वाली गौरैया अब दिखाई नहीं देती। इस छोटे आकार वाले खूबसूरत एवं शांतिपूर्ण पक्षी का कभी इंसान के घरों में बसेरा हुआ करता था और बच्चे बचपन से इसे देखते हुए बड़े हुआ करते थे। ज्यादा से ज्यादा लोग गौरैया के साथ इंसानी संपर्क के महत्व को समझे एवं इस नन्हें से परिंदे को बचाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। नेचर फोरेवर सोसाइटी (भारत) और इको-सिस एक्शन फाउंडेशन (फ्रांस) के मिले जुले प्रयास के कारण इस दिवस को मनाने की शुरूआत 2010 में हुई। नासिक निवासी भारतीय प्रकृति एवं संरक्षणवादी डॉ.मोहम्मद दिलावर ने घरेलू गौरैया पक्षियों की सहायता हेतु नेचर फोरेवर सोसाइटी की स्थापना की थी। इनके इस कार्य को देखते हुए टाइम ने 2008 में इन्हें हिरोज ऑफ दी एनवायरमेंट नाम दिया था। पर्यावरण के संरक्षण और इस कार्य में मदद की सराहना करने हेतु एनएफएस ने 20 मार्च 2011 में गुजरात के अहमदाबाद शहर में गौरैया पुरस्कार की शुरूआत की थी। गौरैया पक्षी प्रकृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 2025 में विश्व गौरैया दिवस का थीम ॑प्रकृति के नन्हे दूतों को श्रद्धांजलि॒ है।

भारत में गौरैया आम जनजीवन का हिस्सा हुआ करती थी, उनकी संख्या घटने के पीछे कई कारण हैं। बढ़ता शहरीकरण और पेड़ों की कटाई उनके घोंसले बनाने की जगहें खत्म कर रहे हैं। मोबाइल टावरों से निकलने वाले रेडिएशन उनकी प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं। कीटनाशकों और रसायनों के बढ़ते उपयोग के कारण उनके भोजन के स्रोत कम हो रहे हैं। इसके अलावा, आधुनिक घरों की वास्तुकला में ऐसी संरचनाएं नहीं होतीं जहां गौरैया अपना घोंसला बना सके, जिससे उनके अस्तित्व पर संकट बढ़ता जा रहा है। विशेषत: यह पक्षी मानवीय लोभ की भेंट तो चढ़ ही रहे हैं, जलवायु परिवर्तन के कारण भी इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए पक्षियों का शिकार एवं अवैध व्यापार जारी है। माइक्रोवेव प्रदूषण जैसे कारण इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं। जन्म के शुरूआती पंद्रह दिनों में गौरैया के बच्चों का भोजन कीट-पतंग होते हैं। पर आजकल हमारे बगीचों में विदेशी पौधे ज्यादा उगाते हैं, जो कीट-पतंगों को आकर्षित नहीं कर पाते। जीवन के अनेकानेक सुख, संतोष एवं रोमांच में से एक यह भी है कि हम कुछ समय पक्षियों के साथ बिताने में लगाते रहे हैं, अब ऐसा क्यों नहीं कर पाते? क्यों हमारी सोच एवं जीवनशैली का प्रकृति-प्रेम विलुप्त हो रहा है? मनुष्य के हाथों से रचे कृत्रिम संसार की परिधि में प्रकृति, पर्यावरण, वन्यजीव-जंगल एवं पक्षियों का कलरव एवं जीवन-ऊर्जा का लगातार खत्म होते जाना जीवन से मृत्यु की ओर बढ़ने का संकेत है।

विश्व गौरैया दिवस गौरेया के संरक्षण और उसके सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति जागरूक करने के लिये मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि पक्षियों की सुरक्षा केवल उनके अस्तित्व के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। जैसे-जैसे पर्यावरणीय समस्याएं बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे गौरैया और अन्य शहरी पक्षियों की सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। दिल्ली में तो गौरैया इस कदर दुर्लभ हो गई है कि ढूंढे से भी यह पक्षी देखने को नहीं मिलता, इसलिए वर्ष 2012 में दिल्ली सरकार ने इसे राज्य-पक्षी घोषित कर दिया था। गौरैया के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा मानवता पर भी एक प्रश्नचिह्न भी है। गौरैया जैसे बेजुबान पक्षियों का बड़ी संख्या में विलुप्त होना पर्यावरण संतुलन के लिये तो बड़ा खतरा है ही लेकिन इसका असर मानव जीवन पर भी होगा। यह धरती केवल इंसानों के लिये नहीं है, बल्कि वन्य जीवों के लिये भी है, इसलिये पक्षियों का विलुप्त होना या मरना हमारे लिये चिन्ता का बड़ा कारण बनना चाहिए। मौजूदा समय में पशुओं एवं पक्षियों की संख्या का लगातार घटना एक अत्यन्त चिन्ताजनक स्थिति है। मानवीय व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण घटक है संवेदनशीलता, जो व्यक्तित्व का गरिमा प्रदान करता है, उसे गहराई एवं ऊंचाई प्रदान करता है, इसके अभाव में मानव दानव बन जाता है, गौरैया जैसे पक्षियों के प्रति बरती जा रही संवेदनहीनता इसी की परिचायक है।

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। दरअसल हमारे यहां बड़े जीवों के संरक्षण पर तो ध्यान दिया जाता है, पर गौरेया जैसे छोटे पक्षियों के संरक्षण पर उतना नहीं। अब भी यदि हम जैव विविधता को बचाने का सामूहिक प्रयास न करें, तो बहुत देर हो जाएगी। पक्षी विज्ञानी हेमंत सिंह के अनुसार गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। यदि इसके संरक्षण के उचित प्रयास नहीं किए गए तो हो सकता है कि गौरैया इतिहास का प्राणी बन जाए और भविष्य की पीढ़ियों को यह देखने को ही न मिले। ब्रिटेन की ॑रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्डस॒ ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को ॑रेड लिस्ट॒ में डाला है। आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह ह्रास ग्रामीण और शहरी, दोनों ही क्षेत्रों में हुआ है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। हर परिस्थितियों में खुद को अनुकूल बना लेने वाली यह चिड़िया अब भारत ही नहीं, यूरोप के कई बड़े हिस्सों में भी काफी कम रह गई है। ब्रिटेन, इटली, फ्राँस, जर्मनी और चेक गणराज्य जैसे देशों में इनकी संख्या जहाँ तेजी से गिर रही है, तो नीदरलैंड में तो इन्हें ॑दुर्लभ प्रजाति॒ के वर्ग में रखा गया है। कई बार लोग अपने घरों में इस पक्षी के घोंसले को बसने से पहले ही उजाड़ देते हैं। कई बार बच्चे इन्हें पकड़कर पहचान के लिए इनके पैर में धागा बांधकर इन्हें छोड़ देते हैं। इससे कई बार किसी पेड़ की टहनी या शाखाओं में अटक कर इस पक्षी की जान चली जाती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे गौरैया को पकड़कर इसके पंखों को रंग देते हैं, जिससे उसे उड़ने में दिक्कत होती है और उसके स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ता है।

विदेशी महिलाओं से दुष्कर्म से शर्मसार होता देश

ललित गर्ग

अतिथि देवो भव: भारतीय संस्कार में मेहमान को भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन आए दिन विदेशी मेहमानों के साथ हो रहे अपराध, यौन-दुराचार एवं व्यभिचार इसे धता बता रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद विदेशियों के साथ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे, ऐसी ही दो विदेशी महिलाओं संग हुई दरिंदगी की घटनाओं को सुन भारतीय लोगों का दिल दहल गया। कर्नाटक के हंपी में इस्राइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप की घटना का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दिल्ली में एक ब्रिटिश पर्यटक से दुराचार का घृणित मामला सामने आया है। थोड़े-थोडे.अन्तराल के बाद होने वाली ऐसी घटनाएं न केवल शर्मसार कर रही है बल्कि भारत के संस्कारों एवं अस्मिता पर भी दाग लगा रही है। हाल के दिनों में भारत में यौन अपराधों की बाढ़-सी आई हुई है। न केवल विदेशी बल्कि भारतीय महिलाओं के साथ घृणित यौन अपराधों की इन तमाम घटनाओं को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नैतिक पराभव का कारण क्या है? कहीं न कहीं ये जीवन मूल्यों में क्षरण एवं विकृत होती मानसिकता का भी परिचायक है। दरअसल, इंटरनेट और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की बाढ़-सी आई हुई है। देश का युवा उसकी चपेट में आकर भटकाव की राह में बढ़ रहा है, जिसे नियंत्रित करना सरकार एवं प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए एवं सामाजिक जागृति का माहौल भी बनाया जाना चाहिए। निश्चय ही विदेशी महिलाओं के साथ होने वाले ऐसे घिनौने एवं दुराचारी कृत्य देश की छवि को धूमिल करने वाले है। हंपी की घटना तो भयावह थी, जिसमें रात में कैंपिंग कर रहे तीन पर्यटकों को नहर में फेंक दिया गया और तीन अपराधियों ने इस्राइली महिला व एक भारतीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नदी में फेंके गए एक पर्यटक की मौत हो गई, जिसका शव बरामद कर लिया गया। पर्यटकों में एक अमेरिकी व दो भारतीय थे। बदमाशों ने न केवल दुष्कर्म किया बल्कि मारपीट व लूटपाट भी की। हालांकि, तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन देश की प्रतिष्ठा को जो आंच आई है, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं। इसने न सिर्फ समाज की छवि को धूमिल किया, बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा पर भी प्रभाव डाला है। यह भारतीय पर्यटन को आहत कर सकता है, बहुत संभव है कि विदेशी सरकारें भारत आने वाले पर्यटकों को लेकर कोई नकारात्मक एडवाइजरी जारी करें।

समाज विज्ञानियों को आत्ममंथन करना होगा कि यौन अपराधों को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद इस आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? विदेशों में भारत की छवि यौन अपराधियों के चलते लगातार क्षत-विक्षत हो रही है। गाहे-बगाहे सुनसान पर्यटक स्थलों पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। लेकिन दिल्ली के एक होटल में एक ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला अधिक चिन्ताजनक है। एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करके भारत घूमने आई ब्रिटिश महिला को दिल्ली बुलाया और एक होटल में दुष्कर्म किया। इस मामले में ब्रिटिश दूतावास ने संज्ञान लिया है। सवाल है कि जब ऐसी कोई आपराधिक घटना हो जाती है और जनाक्रोश उभरता तथा मामला तूल पकड़ लेता है, तभी सरकार, प्रशासन एवं पुलिस की नींद क्यों खुलती है? यही सक्रियता अगर सामान्य स्थितियों में भी कायम रहे, तो शायद आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के भीतर कानूनी कार्रवाई का डर बन सकता है और इस तरह ऐसे अपराधों को पहले ही रोका जा सकता है। विदेशी महिलाओं के प्रति यह संवेदनहीनता एवं बर्बरता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में विदेशी महिलाओं को लेकर गलत धारणा एवं विकृत सोच कायम है जो भारत की गौरवपूर्ण संस्कृति को धुंधलाती है। देश की राजधानी दिल्ली में ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर हमें शर्मसार किया है, झकझोर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि नारी अस्मिता को कुचलने की हिंसक मानसिकता का तोड़ हम अब भी क्यों नहीं तलाश पा रहे हैं? क्यों नये-नये एवं सख्त कानून बन जाने के बावजूद नारी की अस्मिता एवं अस्तित्व असुरक्षित है? क्यों हमारे शहरों को ॑रेप सिटी ऑफ द वर्ल्ड॒ कहा जाने लगा है। आखिर कब तक महिलाओं के साथ ये दरिन्दगीभरी एवं त्रासद घटनाएं होती रहेंगी? नारी की अस्मत का सरेआम लूटा जाना एवं उन पर हिंसा - एक घिनौना और त्रासद कालापृष्ठ है और उसने आम भारतीय को भीतर तक झकझोर दिया। कौन मानेगा कि यह वही दिल्ली है, जो करीब तीन दशक पहले निर्भया के साथ हुई निर्ममता पर इस कदर आन्दोलित हो गई थी कि उसे इंसाफ दिलाने सड़कों पर निकल आई थी। जाहिर है, समाज की विकृत सोच को बदलना ज्यादा जरूरी है। रेप, यौन-दुष्कर्म, व्यभिचार जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रेपिस्टों एवं दुष्कर्मियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और पुलिस व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की मांग के साथ समाज के मन-मिजाज को दुरुस्त करने का कठिन काम भी हाथ में लेना होगा। ये घटनाएं शिक्षित समाज के लिए बदनुमा दाग है। अगर ऐसी घटनाएं होती रहीं तो फिर कानून का खौफ किसी को नहीं रहेगा और अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। कानून कितने भी क्यों न हों जब तक समाज स्वयं महिलाओं को सम्मान नहीं देगा तब तक कुछ नहीं हो सकता। समाज तमाशबीन बना रहेगा तो फिर कौन रोकेगा हैवानियत, दरिन्दगी को, बलात्कार को। जैसे-जैसे देश आधुनिकता की तरफ बढ़ता जा रहा है, नया भारत-सशक्त भारत-शिक्षित भारत बनाने की कवायद हो रही है, वैसे-वैसे महिलाओं पर हिंसा एवं यौनाचार के नये-नये तरीके और आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं। अवैध व्यापार, बदला लेने की नीयत से तेजाब डालने, साइबर अपराध, आनलाइन मित्रता और लिव इन रिलेशन के नाम पर यौन शोषण एवं हिंसा के तरीके हैं। पहले कहा जाता था कि ऐसे अपराध केवल निरक्षर और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा होते हैं लेकिन आजकल शहरों और महानगरों में महिलाओं एवं विशेषतः विदेशी महिलाओं के साथ अन्याय एवं यौन-दुष्कर्म की खबरें देखने और पढ़ने को मिल जाती हैं।

पुलिस का मनोबल टूटना समाज के लिए घातक

चैतन्य भट्ट

मऊगंज में भीड़ द्वारा एक एएसआई की जघन्य हत्या और इंदौर में वकीलों द्वारा मारपीट की घटनाओं ने पुलिस कर्मियों के मनोबल को हिला कर रख दिया है। वे अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर ब्लैक होल की तस्वीर लगाकर अपनी हताशा बयान कर रहे हैं। हमारे पंजे नोच लिए गए हैं , और तीर भी चलाने हैं और परिंदे भी बचाने हैं जैसे सोशल मीडिया पोस्ट उनके दर्द को बयां कर रहे हैं। मुख्यमंत्री से एक नजर अपनी ओर डालने जैसी अपीलें भी हो रही हैं। वहीं सोशल मीडिया का एक दूसरा चेहरा है जहां बदमाश और अपराधी तत्व न सिर्फ खुले आम हथियारों के साथ तस्वीरें परोस रहे हैं बल्कि अपने गुनाहों का महिमा मंडन भी कर रहे हैं। नेताओं के साथ अपनी तस्वीरें पोस्ट कर राजनीतिक ताकत दिखाते हैं। समाज के रक्षकों और भक्षकों के मनोबल की यह विरोधाभासी तस्वीर चिंता जगाती है। पुलिस कर्मियों से जबरदस्ती की यह घटनाएं नई नहीं हैं। पिछले कुछ सालों पर नजर डालें तो अदना कर्मचारी छोड़िए, आईपीएस अधिकारी तक आपराधिक हिंसा के शिकार हुए हैं। चंबल में खनन माफिया द्वारा एक अधिकारी को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया गया था। पिटने की घटनाएं तो आम सी हो गई हैं। और पुलिस ही क्यों, जनता से सीधे संपर्क रखने वाले सारे सरकारी अर्धसरकारी कर्मचारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में भीड़ की हिंसा का शिकार होते रहे हैं। इंदौर में एक ताकतवर नेता के विधायक पुत्र द्वारा नगर निगम कर्मचारियों की बेसबाल के बैट से पिटाई ने सुर्खियां बटोरी थीं। बिजली, राजस्व, आबकारी और परिवहन जैसे अमलों के अधिकारियों कर्मचारियों के पिटने की घटनाएं जब तब खबरें बनती रहती हैं। सवाल उठना लाजिमी है। आखिर इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का कारण क्या है ?निर्विवाद तथ्य है कि कानून का तंत्र दंड के भय की बिना पर ही चलता है। दुनिया की कोई भी व्यवस्था हो, हर आदमी के पीछे एक पुलिस वाला लगाने की क्षमता नहीं रखती। ऐसा विचार ही हास्यास्पद है। दंड का भय ही लोगों को अपराध करने से रोकता है। एक जमाना था जब पुलिस पर हाथ उठाना तो छोड़िए, गिरहबान पर हाथ डालने में भी अपराधी थर-थर कांपते थे। ताजा घटनाएं बताती हैं यह भय गायब हो रहा है। इसके पीछे के प्रमुख संभावित कारणों में से एक है राजनीतिक संरक्षण। किसी भी गंभीर कार्यवाही के पहले व्यवस्था नेताओं का मुंह ताकती नजर आती है। संगठित अपराध से कमाया जाने वाला पैसा दूसरी प्रमुख वजह है। अपराधी जानता है, पैसे की दम पर न्याय दंड से बचना कितना सरल है। मुकदमे सालों चलते हैं, पैसे और भय की ताकत पर गवाहों से बयान बदलवाए जाते हैं और अपराधी साफ छूट जाते हैं। राजनीति का अपराधीकरण एक और महत्वपूर्ण कारण है। प्रतिष्ठित संस्था एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा 28 राज्यों और टीम केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के विश्लेषण से निकला ताजा विश्लेषण बताता है कि देश के कुल 4092 विधायकों में से 45% के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज है जिनमें से 1200 से अधिक हत्या अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर मामलों से संबंधित है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन शुभ है और आपके लिए तरक्की के योग हैं। आपके धन के मामले में लाभ होगा।

वृषभ आज दिन खुशहाली और तरक्की भरा रहेगा। आपका दिन संतोष और शांति में बीतेगा।

मिथुन करियर में लाभ होगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी और धन के मामले में तरक्की के योग हैं।

कर्क आज दिन शुभ है। अच्छी संपत्ति मिलने के संकेत हैं और आपको करियर में अचानक से लाभ होगा।

सिंह आज ग्रहों की स्थिति शुभ है। आमदनी के नए रास्ते खुलेंगे। आपको मीठी वाणी से सम्मान मिलेगा।

कन्या आज लाभ का दिन है। तरक्की से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी या व्यापार में सफलता मिलेगी।

तुला परिवार में खुशियां बढ़ेंगी। पैसों से जुड़ी कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है।

वृश्चिक व्यापारियों को भाग्य का साथ मिलेगा। किसी बीमारी के कारण भागदौड़ हो सकती है।

धनु करियर में लाभ होगा। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। सरकार से जुड़े लोगों से फायदा होगा।

मकर आज लाभ का दिन है। आर्थिक मामलों में तरक्की होगी। नए प्रयास सफल होंगे।

कुंभ भाग्य में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। विवाद और शत्रुता का सामना करना पड़ सकता है।

मीन आज करियर में मनचाही सफलता मिलेगी। लंबे समय से चली आ रही रुकावट दूर होगी।

विशेष

बिना आधार के नहीं कर पाएंगे मतदान

भारत के संविधान में प्रत्येक नागरिक को मतदान करने का मौलिक अधिकार प्राप्त है। अब मतदाता के मौलिक अधिकारों को खत्म करने के लिए सरकार और चुनाव आयोग ने एक नई पहल कर दी है। अब वही व्यक्ति मतदान कर पाएगा, जिसका मतदाता पहचान पत्र आधार से लिंक होगा। देश के करोड़ों ऐसे लोग जो ग्रामीण अंचलों में निवास करते हैं। जिनका आधार किसी कारण से नहीं बन पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने आधार को निजता से जोड़ रखा है। उसके बाद भी चुनाव आयोग के इस निर्णय से करोड़ नागरिक अपने मतदान के मौलिक अधिकार से वंचित हो जाएंगे। सभी राजनीतिक दल हाथ पर हाथ धरकर बैठे हुए हैं। न्यायपालिका की चुप्पी भी हैरान करने वाली है। अंग्रेजों के जमाने में केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही मतदान का अधिकार था। 1952 के बाद संविधान ने सभी को बिना किसी भेदभाव के मताधिकार दिया था। अब उसे खत्म करने की तैयारी शुरू हो गई है। यदि मतदाता कार्ड को आधार से जोड़ दिया गया तो करोड़ों लोग मताधिकार से वंचित हो जाएंगे अथवा धोखा धड़ी के शिकार होंगे।

आधे राज्यों में चुनाव नहीं करा पाई भाजपा

भाजपा संगठन के चुनाव पिछले कई महीनो से चल रहे हैं। अभी तक संगठन के चुनाव नहीं हो पा रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल 1 साल बढ़ा दिया गया, वह समय भी खत्म हो गया है। फिर भी प्रदेश संगठन और राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाया। 36 प्रदेशों में भाजपा का संगठन है। जिसमें डेढ़ दर्जन से अधिक राज्यों में भाजपा संगठन के चुनाव नहीं हो पाए हैं।

कार्टून कोना

पीएम मोदी की पॉडकास्ट पर भड़का पाकिस्तान

आज का इतिहास

1351 मुहम्मद तुगलक शाह द्वितीय की मौत. 1602 ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन. 1616 सर वाल्टर रैले को टॉवर ऑफ लंदन से रिया. 1784 हालैंड ने नागपटनम अंग्रेजो के हवाले किया 1845 नेपोलियम बोनापार्ट पेरिस पंहुचा. 1849 बावरिया नरेश लुडविग प्रथम ने गद्दी छोड़ी. 1916 तुर्की के विभाजन के बारे में मित्र राष्ट्रों में सहमति हुई. 1952 दक्षिण अफ्रीका के सुप्रीम कोर्ट ने नस्ली कानूनों को अवैध करार दिया. 1956 फ्रांस ने ट्यूनिशिया की स्वतंत्रता को मान्यता प्रदान की 1990 नामीबिया दक्षिण अफ्रीका से स्वतंत्र हुआ. 2000 अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन नई दिल्ली पहुंचे. 2007 विधि संशोधन विधेयक- 2007 संसद में पारित. इसके तहत केन्द्रीय बिक्री कर को चार चरणों में पूरी तरह समाप्त करने और अप्रेल 2070 से राष्ट्रीय वस्तु एवं सेवा कर शुरू करने का प्रावधान है.

दैनिक पंचांग

20 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.48 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	07.22 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.02 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.00 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.14 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.30 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	17.42 बजे से
राहु	मीन में	तुला	19.52 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.07 ब.से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	धनु	00.23 बजे से
		मकर	02.28 बजे से
		कुंभ	04.15 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 79 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 02.46 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 23.32 बजे को समाप्त।
योग वज्र 18.20 बजे को समाप्त।
करण गर 13.45 बजे तदनन्तर वणिज 02.46 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872289
जूलियन दिन 2460754.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान **तारीख** 19
विशेष वसंत विषुव।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कहीं इन कारणों से तो नहीं हो जाते इंटरव्यू में फेल

आप कोई जॉब इंटरव्यू देकर आए हो तो आप अक्सर वहां नौकरी मिलने की बड़ी उम्मीद रखते हैं लेकिन जब वहां से नकारात्मक जवाब आता है तो बहुत ठेस पहुंचती है। कई बार यह अंदाजा लगाना मुश्किल होता है कि आखिर गलती कहां हुई जो इंटरव्यू में बाजी नहीं मार पाए। यूं तो कई कारण हो सकते हैं जिसमें यह भी शामिल है कि आपकी तरफ से कोई कमी नहीं हो लेकिन आपसे बेहतर उन्हें उम्मीदवार मिल गया हो। लेकिन फिर भी यहां कुछ बातें दी जा रही है जो कि इंटरव्यू में असफलता का कारण हो सकती है:

- इंटरव्यू में सबसे महत्वपूर्ण है कि आप समय के पाबंद रहे। यही समय पर इंटरव्यू वेन्यू पर पहुंचना बहुत जरूरी है। यह गलती न हो जाए कि आपका नंबर आए और आप वहां मौजूद ही न हो। लेट या ऐनमौके पर पहुंचने के कारण आप मानसिक रूप से इंटरव्यू के लिए तैयार भी नहीं रहते जिससे परफॉर्मेंस बिगड़ने की संभावना रहती है।
- जैसे ही आपको इंटरव्यू रूप में बुलाया जाए तो पहले अनुमति लें। यह बहुत जरूरी प्रक्रिया है जो कि सकारात्मक प्रभाव डालती है। अंदर जाते हुए विनम्रता से अभिवादन करनें। जब वे चेयर पर बैठने का कहें तब ही बैठे। वहीं इंटरव्यू पूरा होने के बाद धन्यवाद कहकर ही बाहर जाए।
- इंटरव्यूअर जब सवाल पूछे तो स्पष्ट और संक्षिप्त जवाब दें। अगर आपको जवाब न आए तो उन्हें घुमाने की कोशिश करने की बजाए विनम्रता से कह दें कि इसकी मुझे जानकारी नहीं है।
- अगर आप सीनियर पोस्ट के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं तो आपकी वेशभूषा उसी के अनुसार होनी चाहिए। आपमें वह आत्मविश्वास झलकना चाहिए। भड़कीले कपड़ों की बजाए सादे लेकिन स्मार्ट आउटफिट्स पहनें।
- साक्षात्कार में असफल या आत्मविश्वास की कमी हो जाने का डर उन छात्रों में पाया जाता है जो पहले कभी असफल हो चुके होते हैं, पर ऐसे छात्रों को यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि इस दुनिया में आज तक ऐसा कोई व्यक्ति हुआ ही नहीं, जिसने कभी असफलता का सामना न किया हो, भूले ही आगे चलकर उस व्यक्ति ने अपार सफलता हासिल क्यों न की हो। इसलिए उम्मीदवार को चाहिए कि अपने मनोबल को कायम रखें तथा पूर्ण आत्मविश्वास के साथ साक्षात्कार में भाग लें।

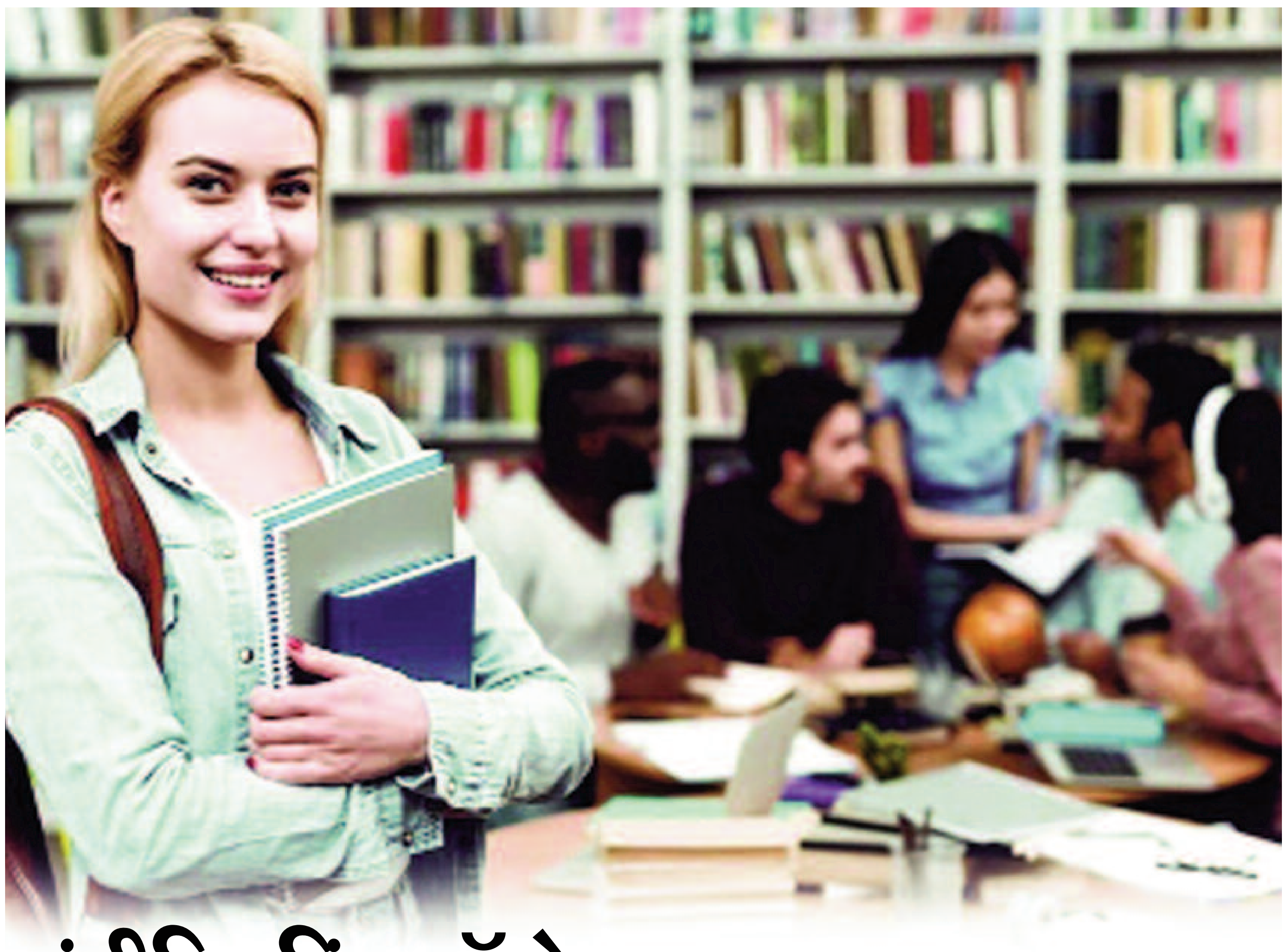

इंजीनियरिंग कॉलेज का चुनाव करते समय इन जरूरी बातों का रखें ध्यान

इंजीनियरिंग का क्रेज आज भी युवाओं के बीच बरकरार है। आईआईटी, एनआईटी और ट्रिपलआईटी संस्थानों में जिन स्टूडेंट्स का एडमिशन नहीं होता है वे अन्य कॉलेजों का रुख करते हैं। वहीं, कई बार जानकारी के अभाव में स्टूडेंट्स गलत बीटेक कॉलेज चुनाव कर लेते हैं, जिसकी वजह से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्टूडेंट्स को इस तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए हम यहां पर एक्सपर्ट्स द्वारा दिए गए टॉप टिप्स बता रहे हैं।

अपने करियर में जब आपने बी.टेक की फील्ड का चयन कर लिया है, तो अगला सबसे महत्वपूर्ण कदम अपनी डिग्री के लिए सही यूनिवर्सिटी या कॉलेज चुनना है। हालाँकि, बी.टेक. के लिए सही कॉलेज का चयन करते समय यह फील्ड थोड़ी चुनौतीपूर्ण लग सकती है क्योंकि विकल्प असंख्य हैं। सही विश्वविद्यालय में ग्रेजुएशन शिक्षा आपके भविष्य को कई मायनों में बदल सकती है। कॉलेज फीस के अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर, स्थान, रैंकिंग अध्ययन परिवेश तक, कई अलग-अलग चीजों का ध्यान रखना काफी आवश्यक हैं। बतौर एक विद्यार्थी के तौर पर यूनिवर्सिटी का चुनाव करते समय आप कुछ जरूरी बातों का जरूर ध्यान रखें।

रैकिंग और एकरीडेशन

कॉलेज या यूनिवर्सिटी को शॉर्टलिस्ट करते समय सबसे पहले देखें कि वह यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त है या नहीं। यूजीसी से मान्यता प्राप्त बी.टेक इंजीनियरिंग और तकनीकी कॉलेज की डिग्री हमेशा अधिक मूल्यवान होगी और आपको भविष्य में प्रतिष्ठित कंपनियों से बेहतर नौकरी के ऑफर हासिल होगे। इसके साथ ही आप उनकी डंडिया, वर्ल्ड स्तर पर रैकिंग और इंजीनियरिंग क्षेत्र में उस यूनिवर्सिटी या कॉलेज का स्थान देख सकते है। यह आपको उनकी वेबसाइड पर मिल जाएगा।

इंडस्ट्री आधारित कार्यक्रम

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे लगातार बदलाव के चलते यूनिवर्सिटी भी अपना सिलेबस इंडस्ट्री के अनुसार तैयार कर रही है। जिसमें वह इंडस्ट्री के माहिरों की मदद लेती है और विद्यार्थियों को नए स्किल्स और ट्रेनिंग का मौका मिलता है। यूनिवर्सिटी का चुनाव करते समय जरूर देखें कि उनका राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय स्तर पर किस किस कंपनी के साथ ट्राइअप है।

रिसर्च के अवसर और गर्वमेंट प्रोजेक्ट

बी.टेक के क्षेत्र में कौन सा कॉलेज या यूनिवर्सिटी अपने विद्यार्थियों को रिसर्च के कितने अवसर व सुविधाएं प्रदान करता है यह विभिन्न प्रतियोगितायों की जीत और सरकारी ग्रांट से पता लग जाता है। सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग कॉलेज अपने छात्रों में रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए हमेशा बेहतरीन रिसर्च लैब्स, फंड व गर्वमेंट फंड उपलब्ध करवाते है। आप उस शिक्षण संस्थान के प्रकाशिंत हो चुके अनुसंधानों की संख्या को भी देख सकते है।

प्लेसमेंट

कहना को हर शिक्षण संस्थान कहता है कि हमारा प्लेसमेंट सबसे बेहतर है लेकिन एक यूनिवर्सिटी की कितनी प्लेसमेंट है आप उनके पिछले कुछ सालों के रिकॉर्ड देख कर पता लगा सकते है। इसके साथ ही उनका पैकेज, कंपनी की भी जाँच करें। यह भी देखें कि वह संस्थान बच्चों की प्लेसमेंट के लिए इन हाउस कितनी प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन करता है और क्या विद्यार्थियो के लिए अलग से प्लेसमेंट विभाग है।

परिसर का पर्यावरण

घर से कैंपस की दूरी के साथ यह भी देखें अगर आप होस्टल में रहने वाले तो कैंपस का माहौल कैसा है। वहां पर खेल, मनोरंजन, कैंटीन, मैडिकल, स्टूडेट वेल्फेयर विभाग व अन्य गतिविधियों की किस तरह की सुविधा उपलब्ध है क्योंकि पढ़ाई के माहौल के साथ आपके लिए यह सब भी अधिक महत्वपूर्ण है।

लैब्स और इंफ्रास्ट्रक्चर

बी.टेक एक तकनीकी क्षेत्र है इसलिए बिना सोचे आपको ऐसे कॉलेज का चुनाव करना चाहिए यहां पर अच्छी लैब्स और इंफ्रास्ट्रक्टर जैसे कि इनोवेशन सेंटर, मैकेनिकल लैब्स, वर्कशाप आदि नवीनतम उपकरणों के साथ उपलब्ध हो।

टीचर्स की गुणवत्ता

एक अच्छा शिक्षण संस्थान जो कि बेहतरीन शिक्षा देना चाहता है हमेशा बेहतरीन शिक्षण संस्थान से पीएचडी कर चुके अनुभवी शिक्षकों का चुनाव करते है जो तकनीकी और पढ़ाने में बेहतरीन हो। समय-समय विभिन्न वर्कशाप, गतिविधियों के माध्यम से वह अपने कौशल और ज्ञान को भी बढ़ाते रहते है।

इन टिप्स को फॉलो कर कॉलेज के नए माहौल में करें एडजस्ट

देश भर की सेंट्रल यूनिवर्सिटीज सहित अन्य भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों में अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में शुरू हो चुके हैं। ऐसे में कॉलेज के नए माहौल में एडजस्ट करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन आप इन टिप्स को फॉलो कर अपनी पढ़ाई को स्मूथ रख सकते हैं।

देश भर की सेंट्रल यूनिवर्सिटीज सहित अन्य भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों में अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में शुरू हो चुके हैं। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट का रिजल्ट भी जारी हो चुका है। यूजी पाठ्यक्रमों के लिए अगस्त से कक्षाएं शुरू होंगी। ऐसे में नए कॉलेज के निए माहौल में खुद को ढालने में थोड़ा सा समय लग जाता है। इसलिए इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें फ़ॉलो कर आपको कॉलेज में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना होगा। इसके साथ ही आपकी पढ़ाई भी काफी स्मूथ चलती रहेगी।

क्लास करें अटेंड

सबसे पहली और अहम बात यह है कि कॉलेज में मिलने वाली आजादी का गलत फायदा नहीं उठाना चाहिए। इसलिए हर क्लास को जरूर अडेंट करें। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती एक तरफ रखें लेकिन अपनी पढ़ाई के साथ समझौता न करें। कभी भी अपनी दोस्ती और मौज-मस्ती को पढ़ाई के ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। इसलिए समय पर क्लास में पहुंचे। अगर आप किसी वजह से क्लास अडेंट नहीं कर पाएं हैं, तो उसे अगले दिन दोस्तों की मदद से रिकवर कर लें।

टीचर से जरूर पूछे सवाल

रोजाना क्लास अटेंड करने के साथ ही क्लास में एक्टिव रहें। क्लास में जो भी पढ़ाया जा रहा है, उसे ध्यान से पढ़ें और फिर सब्जेक्ट से जुड़ा सवाल टीचर से पूछें। ऐसा करने से जिन सवालों में आपको कंफ्यूजन होगी, वह भी सॉल्व होंगे और आपका कोर्स भी क्लियर हो जाएगा।

एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज पर फोकस

पढ़ाई के साथ ही स्टूडेंट को सलाह दी जाती है कि वह एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज पर जरूर फोकस करें। पढ़ाई अच्छी होने के साथ ही छात्र-छात्राएं किसी भी स्किल्स को स्ट्रांग कर सकते हैं। इससे आपको फ्यूचर में फायदा होगा।

जेनेरेटिव एआई क्या है? एआई टूल क्या होते हैं? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ट्रेनिंग क्यों जरूरी है? इंडस्ट्री एक्सपर्ट से जानिए बदलते दौर म एआई की ट्रेनिंग कंपनी और कर्मचारी दोनों के लिए फायदेमंद कैसे साबित होने वाली है? भारत के लिए जेनेरेटिव एआई क्यों जरूरी है?

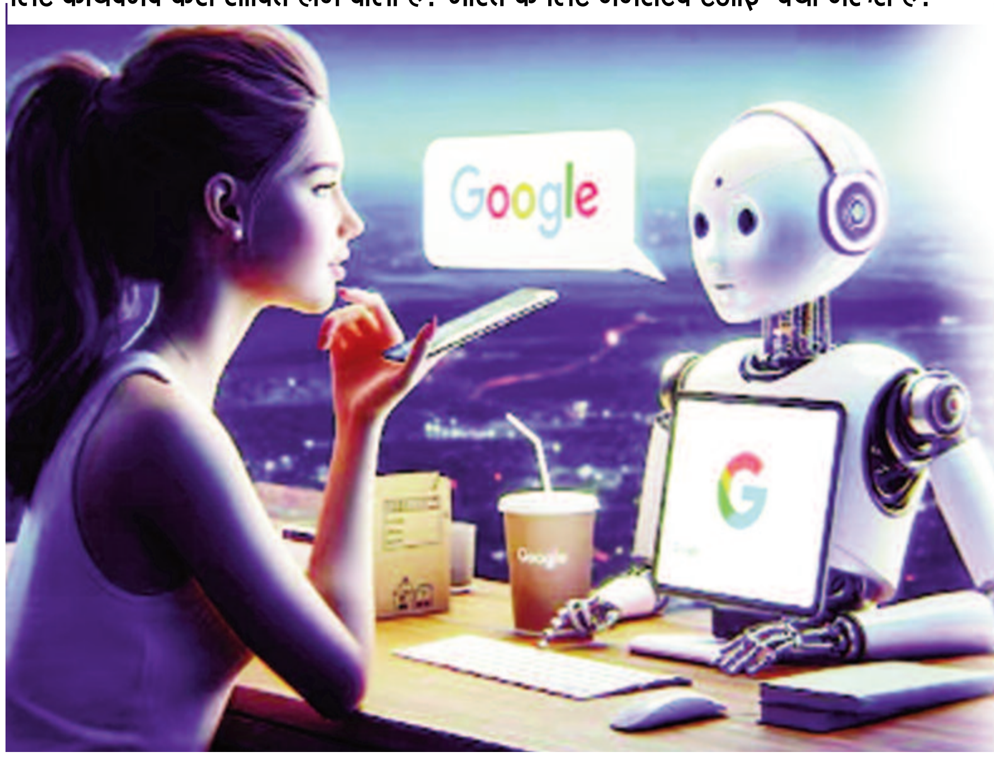

नौकरी हो या बिजनेस..

अब सबके लिए जरूरी है एआई ट्रेनिंग

आजकल व्यापार तेजी से बदल रहा है और बाजार काफी प्रतिस्पर्धा वाला है। ऐसे माहौल में, कर्मचारियों को जेनेरेटिव एआई का उपयोग करके ट्रेनिंग देना कंपनियों के लिए काफी फायदेमंद है। वहीं, कर्मचारियों के लिए भी एआई सीखना बेहद जरूरी है। जानिए इससे क्या फायदे हो सकते हैं? एआई ट्रेनिंग के फायदे

कर्मचारी हमेशा अपडेट रहेंगे

एआई की मदद से दी जाने वाली ट्रेनिंग से कर्मचारी हमेशा अपने क्षेत्र में होने वाले बदलावों से वाकिफ रहेंगे और दूसरों से आगे रह सकेंगे।

काम करने की क्षमता बढ़ेगी

एआई ट्रेनिंग से कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ेगी। समस्याओं को सुलझाने की उनकी क्षमता मजबूत होगी और वे बाजार के नए रुझानों को समझ पाएंगे।

इनोवेशन और प्रॉब्लम सॉल्विंग

एआई ट्रेनिंग से कर्मचारियों को एआई की मदद से रचनात्मकता बढ़ाने के तरीके सीखने को मिलेंगे। इससे कंपनी में नई चीजें विकसित करने और समस्याओं को सुलझाने की क्षमता बढ़ेगी।

काम की गति बढ़ेगी

एआई की मदद से कई बार होने वाले कामों को अपने आप कराया जा सकता है। इससे कर्मचारी ज्यादा महत्वपूर्ण कामों पर ध्यान लगा सकेंगे।

ग्राहकों को बेहतर सेवा

जेनेरेटिव एआई का इस्तेमाल करके कंपनियां ग्राहकों को उनकी जरूरतों के हिसाब से सेवा दे सकती हैं। इससे कंपटीशन में आगे रहने में मदद मिलेगी और कुल मिलाकर कारोबार के तरीकों में भी सुधार होगा।

भारत के लिए जेनेरेटिव एआई क्यों जरूरी है?

दुनिया की अर्थव्यवस्था तेजी से बदल रही है और भारत इस बदलाव में अहम भूमिका निभा रहा है। जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। ऐसे में, लोगों को यह जानना जरूरी है कि आने वाले समय में कौन से कारोबार सबसे ज्यादा चलन में रहेंगे। एआई जटिल कामों को खुद कर सकता है, जिससे काम की प्रक्रिया अपने आप हो जाती है। इससे न सिर्फ लागत कम होती है बल्कि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी कम होता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -दिक्कतें

हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि एआई का इस्तेमाल कर दूसरों से आगे निकलने की कोशिश में कंपनियों को कुछ दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए-

- एआई में पूर्वाग्रह
- सरकार द्वारा एआई को नियंत्रित करना
- मशीन लर्निंग की पहल
- डेटा मैनेजमेंट जैसी समस्याएं

साथ ही, अगर कंपनी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चलाने के लिए जरूरी टेक्नोलॉजी का ज्ञान नहीं है, तो इससे कोई खास फायदा नहीं होगा।

इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए

12 प्रतिशत सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर ने घरेलू इस्पात उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 प्रतिशत का अनंतिम सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

पिछले साल दिसंबर में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने फैब्रिकेशन, पाइप निर्माण, निर्माण, पूंजीगत सामान, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल सहित विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले गैर-मिश्र धातु और मिश्र धातु स्टील फ्लैट उत्पादों के आयात में अचानक वृद्धि की जांच शुरू की थी। भारतीय इस्पात संघ की शिकायत के बाद यह जांच की गई।

निदेशालय ने अपनी जांच में प्रारंभिक रूप से पाया है कि भारत में इन उत्पादों के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू उद्योग/उत्पादकों को गंभीर क्षति पहुंचने का खतरा है।

निदेशालय ने 18 मार्च को जारी अधिसूचना में कहा है कि ऐसी गंभीर परिस्थितियां मौजूद हैं, जहां अनंतिम सुरक्षा उपायों के लिए आवेदन में किसी भी प्रकार की देरी से ऐसी क्षति होगी, जिसकी मरम्मत करना कठिन होगा। अनंतिम सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है।

डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा है, प्राधिकरण विचाराधीन उत्पाद के आयात पर अंतिम निर्धारण होने तक 200 दिनों के लिए 12 प्रतिशत की दर से अनंतिम सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। शुल्क लगाने का अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा।

कर्ज घटने और सरकारी प्रोत्साहन से निजी क्षेत्र में निवेश का नया दौर क्रिसिल रिपोर्ट का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का निजी क्षेत्र एक दशक पहले की तुलना में अब निवेश करने की बेहतर स्थिति में है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, निजी कंपनियों की वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे उन्हें नए निवेश करने में आसानी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, निजी कंपनियों ने कुछ वर्षों में कर्ज लगातार कम किया है।

इससे उनका खाता-बही मजबूत हुआ है। यह कम पूंजीगत खर्च, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए सरकारी पहल, नए शेयर जारी करने और बेहतर क्षमता उपयोग के कारण हुआ है। कंपनियों के कर्ज की तुलना में नेटवर्थ अनुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह वित्त वर्ष 2015 में 1.05 गुना से घटकर 2025 में अनुमानित 0.50 गुना हो गया है। इससे कंपनियों के पास विस्तार के लिए नया कर्ज लेने के लिए पर्याप्त गुंजाइश है।

एनपीए घटने से कर्ज मिलने में सुविधा– बैंकों का एनपीए घटने से उद्योगों को कर्ज मिलने में सुविधा हो रही है। 2017 से 2021 के बीच सरकारी बैंकों के 3.3 लाख करोड़ से अधिक के पुनर्पूंजीकरण से उन्हें खाता-बही को साफ करने और पूंजीगत ताकत में सुधार करने में मदद मिली है। बैंकों का सकल एनपीए मार्च, 2018 के 11.2 फीसदी से घटकर मार्च, 2025 में 2.5 फीसदी रह गया है।

सरकारी नीतियों से मिल रहा प्रोत्साहन– रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकारी नीतियों ने भी निजी निवेश को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना, मेक इन इंडिया पहल, एफडीआई नीतियों, कॉरपोरेट कर में कटौती, बुनियादी ढांचे का विकास और डिजिटल सार्वजनिक ढांचे ने निवेश के माहौल को बेहतर बनाने में योगदान दिया है।

जर्मनी में एपल को बड़ा झटका

भ्रष्टाचार-रोधी अपील में हार, सिरी के गलत इस्तेमाल पर 9.5 करोड़ डॉलर का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। जर्मनी के संघीय न्यायालय ने एपल कंपनी की बाजार स्थिति पर हुई बहस के बाद मंगलवार को अपना फैसला सुनाया। इसमें कंपनी एक विनियामक मूल्यांकन पर भ्रष्टाचार-रोधी अपील हार गई है। इसके बाद आईफोन निर्माता कंपनी पर जर्मनी में सख्त नियंत्रण के लिए दरवाजे खुल सकते हैं। संघीय न्यायाधीशों ने जर्मन कार्टेल कार्यालय ने एपल को 2023 में प्रतिस्पर्धा के लिए सर्वोपरि क्रॉस-मार्केट महत्व वाली कंपनी के रूप में नामित करने का समर्थन किया। इसके साथ ही, एपल जर्मनी की बढ़ती सूची में गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट और फेसबुक की मालिक मेटा के साथ शामिल हो गया।

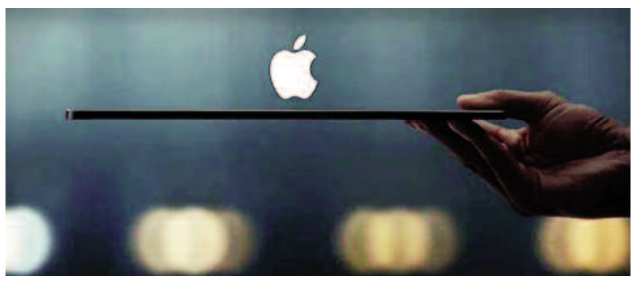

लंदन में गोपनीय सुनवाई

लंदन की एक अदालत ने अपने एन्क्रिप्टेड क्लाउड स्टोरेज सिस्टम में बैक डोर बनाने के लिए ब्रिटिश सरकार के जनादेश के खिलाफ एपल की अपील से संबंधित एक गोपनीय सुनवाई की। मीडिया को इस कार्यवाही से बाहर रखा गया। एपल ने फरवरी में ब्रिटेन द्वारा जारी तकनीकी क्षमता नोटिस के जवाब में ब्रिटेन में नए यूजरों के लिए क्लाउड डाटा के लिए अपने उन्नत डाटा सुरक्षा एन्क्रिप्शन को ही अक्षम कर दिया।

सिरी के गलत इस्तेमाल पर जुर्माना

एपल ने अपने वर्चुअल असिस्टेंट सिरी के माध्यम से जासूसी करने के आरोप में 9.5 करोड़ डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमति जताई है। ऑकलैंड में संघीय अदालत 5 साल पुराने इस मामले का समाधान करेगी। इसमें उस पर कई आरोप लगाए गए हैं।

भारत में रेलवे किराया पड़ोसी देशों से कम

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि भारत में रेल किराया पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों से कहीं कम है। उन्होंने कहा कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान की तुलना में अब तक रेल हादसों में 90 प्रतिशत की कमी आई है। 2025-26 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर बहस का जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर कोविड महामारी की कठिनाइयों से उभरकर अपने खर्चों को पूरा करने में सक्षम हो गया है।

महाकुंभ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर बोलने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर विपक्ष के शोरगुल के बीच मंत्री ने कहा कि रेलवे ने स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए हैं और त्यौहारों के मौसम में कई विशेष रेलगाड़ियां चला रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सुरक्षा पर ध्यान दिए जाने के कारण, लालू प्रसाद के मंत्रालय संभालने के समय की तुलना में दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत की कमी आई है।

लालू प्रसाद के कार्यकाल की तुलना में रेल हादसे घटे– उन्होंने कहा, लालू प्रसाद के कार्यकाल में एक वर्ष में लगभग 234 दुर्घटनाएं और 464 ट्रेनें पटरी से उतर गईं, यानी प्रति वर्ष लगभग 700। ममता बनर्जी के कार्यकाल में 165 दुर्घटनाएं और 230 ट्रेनें पटरी से उतर गईं, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या प्रति वर्ष 395 हो गई और मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यकाल में 118 दुर्घटनाएं और 263 ट्रेनें पटरी से उतर गईं, जिससे दुर्घटनाओं की कुल संख्या 381 हो गई। वैष्णव ने यह भी कहा कि कवच का बड़े पैमाने पर 10,000 इंजनों और 15,000 किलोमीटर पर परिचालन किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया– वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया और नई तकनीक और निवेश लाया, और अब यह घटकर 30 दुर्घटनाएं और 43 ट्रेनें पटरी से उतर गईं, जो पहले की अवधि से 90 प्रतिशत कम है और 2014-15 की तुलना में 80 प्रतिशत कम है। उन्होंने कहा कि रेलवे ने 2020 से किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की है और तब से किराए में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वैष्णव ने कहा, अगर हम पड़ोसी देशों से तुलना करें तो हमारे यहां किराया बहुत कम है। 350 किलोमीटर की यात्रा के लिए भारत में किराया 121 रुपये, पाकिस्तान में 436 रुपये, बांग्लादेश में 323 रुपये और श्रीलंका में 413 रुपये है। मंत्री ने कहा कि यूरोपीय देशों में कीमतें पांच गुना से भी अधिक हैं।

बीएचईएल ने तीन साल में 300 प्रतिशत रिटर्न दिया

● पिछले 6 महीने में शेयर में 20 प्रतिशत गिरावट आई ● कंपनी का मार्केट कैप 71,974 करोड़ रुपये है

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में पिछले तीन दिनों से तेजी जारी है। हालांकि पिछले 6 महीने में मार्केट में काफी गिरावट आई है। इस 6 महीनों में सेंसेक्स 9 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। इस दौरान कई शेयर में भी उतार-चढ़ाव आता रहा। इसी बीच एक सरकारी कंपनी का शेयर मल्टीबैगर बन गया है। इसने तीन साल में ही करीब 300 फीसदी रिटर्न दिया है। यानी एक लाख रुपये के निवेश पर तीन लाख रुपये का फायदा किया है। इस कंपनी का नाम भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड है। इसे भेल के नाम से भी जाना जाता है। बीएचईएल के शेयर में पिछले कई दिनों ने तेजी बनी हुई है। बुधवार को दोपहर 12 बजे यह शेयर 1.37 फीसदी की तेजी के साथ 206.70 रुपये पर कारोबार कर रहा था। हालांकि पिछला कुछ समय इस शेयर के लिए भारी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। इस साल यह कुछ नुकसान में रहा है। वह इसलिए क्योंकि इस दौरान शेयर मार्केट में भी काफी गिरावट रही है।

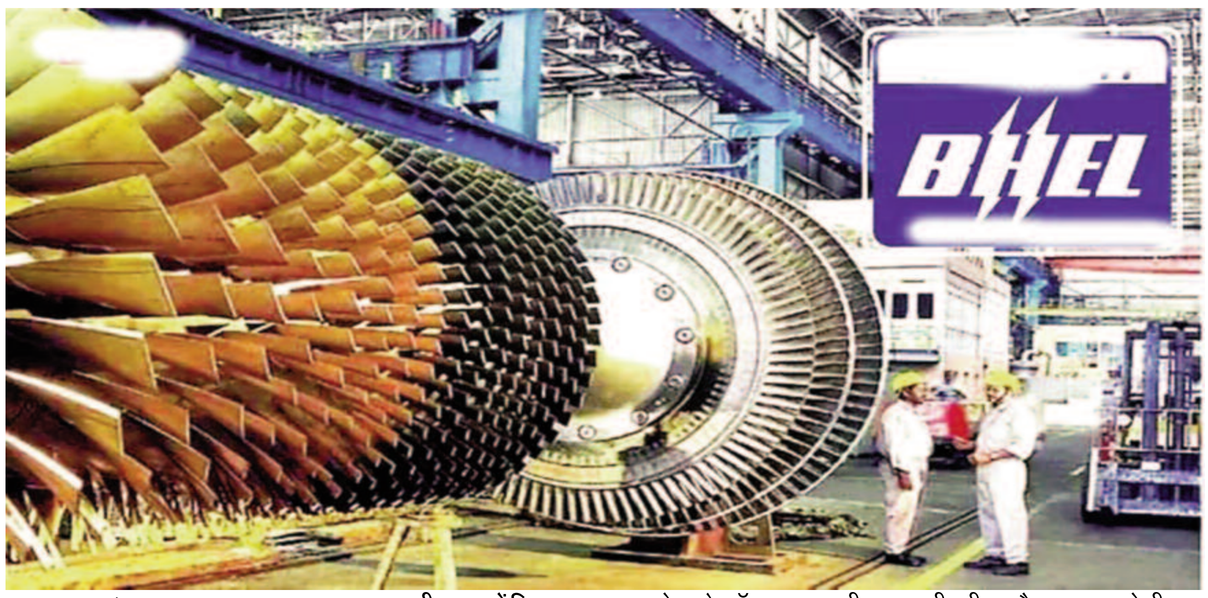

6 महीने में बड़ा नुकसान

इस शेयर ने 6 महीने में निवेशकों का बड़ा नुकसान किया है। ऐसा इसलिए भी हुआ क्योंकि इस दौरान शेयर मार्केट में भी गिरावट रही। 6 महीने में यह शेयर करीब 20 फीसदी गिर गया। हालांकि बात अगर पूरे एक साल की करें तो इस दौरान इसकी गिरावट 5 फीसदी से कुछ ज्यादा रही। इस शेयर में जुलाई 2024 के बाद से गिरावट आई शुरू हुई।

तीन साल में किया धमाल– इस शेयर के लॉन्ग टर्म रिटर्न को देखें तो इसने धमाल मचा दिया है। अब से तीन साल पहले इस शेयर की कीमत करीब 51 रुपये थी। अब करीब 207 रुपये है। ऐसे में तीन साल में इस शेयर में जबरदस्त तेजी आई है। इन तीन वर्षों में इस शेयर का रिटर्न करीब 300 फीसदी रहा है। अगर आपने तीन साल पहले इस कंपनी में एक लाख रुपये निवेश किए होते तो वह रकम बढ़कर आज चार लाख रुपये हो चुकी होती। यानी आपको मात्र तीन साल में एक लाख रुपये के निवेश पर तीन लाख रुपये का फायदा हो चुका होता।

5 साल में धांसू रिटर्न

बात अगर 5 साल की करें तो इतने समय में इसने निवेशकों की झोली भर दी है। इतने समय में इसका रिटर्न 800 फीसदी से कुछ ही कम रहा है। 5 साल पहले इस शेयर की कीमत करीब 23 रुपये थी। अब करीब 207 रुपये। ऐसे में इसने इन 5 वर्षों में करीब 780 फीसदी रिटर्न दिया है। यानी इस शेयर ने 5 साल में एक लाख रुपये को करीब 9 लाख रुपये में बदल दिया है।

कितना है मार्केट कैप

बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 71,974 करोड़ रुपये है। कंपनी हैवी इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी है। कंपनी को वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (दिसंबर तिमाही) में 134.70 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यह पिछले साल की समान तिमाही के 60.31 करोड़ रुपये से दोगुने से ज्यादा है। इस तिमाही में कंपनी की कुल आय 32.21 फीसदी बढ़कर 7277.09 करोड़ रुपये हो गई।

नोएडा एयरपोर्ट: देरी के लिए लगा हर रोज 10 लाख का जुर्माना

नोएडा, एजेंसी। इन दिनों नोएडा एयरपोर्ट खूब चर्चा में है। चर्चा की वजह इस पर लगा जुर्माना है। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रोजेक्ट में देरी को आधार बना कर प्रोजेक्ट को अमलीजामा पहना रही पर 10 लाख रुपये रोज के हिसाब से जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना तब तक लगता रहेगा जब तक एयरपोर्ट चालू नहीं हो जाता। इस बीच कंपनी ने ऐयरपोर्ट की लेटेस्ट रिपोर्ट को लेकर एक वीडियो जारी किया है।

कितना काम हुआ है

नोएडा एयरपोर्ट के ऊपर से ड्रोन की सहायता से बनाए गए इस वीडियो में दिखाया जा रहा है कि एयरपोर्ट पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के लिए हवाई यातायात नियंत्रण टावर बनाने का काम कर रहा है। पैसेंजर टर्मिनल और बाकी ज़रूरी चीज़ें भी बन रही हैं। लेकिन अभी तक कोई भी हिस्सा पूरा नहीं हुआ है। हर ओर कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। कहीं फर्निशिंग का काम भी किया जा रहा है।

शीघ्र ही मिलेगा एरोड्रम लाइसेंस

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगला ज़रूरी काम है एयरोड्रम लाइसेंस मिलना। यह लाइसेंस मई में मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट पर सबसे पहले देश के अंदर की मतलब कि घरेलू उड़ानें शुरू होंगी। उसके बाद कुछ महीनों में विदेश की उड़ानें भी शुरू हो जाएंगी। हवाई अड्डे से व्यवसायिक उड़ानें शुरू करने के बारे में राज्य सरकार और केंद्र सरकार से बातचीत चल रही है।

जुर्माने की बात पर नहीं मिला जवाब

प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए जुर्माने की बात पर उन्होंने कहा कि अभी तक उन्हें इस बारे में कोई औपचारिक पत्र नहीं मिला है। इसकी जानकारी उन्हें मीडिया से ही मिली है। उनका कहना है कि इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में उत्तर प्रदेश सरकार, एआइ, डीजीसीए और बीसीएएस ने बहुत मदद की है, जिसके लिए वे उनके आभारी हैं। उनका कहना है कि वाईआईएपीएल एक ऐसा शानदार एयरपोर्ट बनाने के लिए तैयार है, जो सुरक्षा, सुविधा और यात्रियों की सेवा के मामले में दुनिया में सबसे अच्छा हो। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लक्ष्य है कि यात्रियों को एयरपोर्ट पर अच्छा अनुभव हो।

डेडलाइन फेल

नोएडा एयरपोर्ट को शुरू करने के कई डेडलाइन फेल होते दिख रहे हैं। पहले बताया गया था कि इसे साल 2024 के अंत तक शुरू कर देना है। लेकिन कोविड काल में इसके कंस्ट्रक्शन वर्क पर असर पड़ा। उसके बाद निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं की वजह से कंपनियों को तीन महीने की छूट दी गई थी। इस छूट के बावजूद भी एयरपोर्ट के निर्माण का काम अब तक पूरा नहीं हो सका है। कंपनी की ओर से अप्रैल की संशोधित समय सीमा पर भी एयरपोर्ट पर उड़ान शुरू होते नहीं दिख रहा है।

मिडिल क्लास की पहुंच से दूर हुआ सोना!

बढ़ती कीमत ने बढ़ाई ज्वेलर्स की परेशानी, शादियों का सीजन भी रहा सूना

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत आसमान छूने लगी है। सोमवार को इसमें 1300 रुपये की तेजी आई। इसके साथ ही 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 1300 रुपये उछलकर 90,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। सोने की कीमत बढ़ने से यह लोअर और मिडिल क्लास की पहुंच से दूर होने लगा है। वहीं इसका असर ज्वेलर्स पर भी दिखाई दे रहा है। सोना महंगा होने से ज्वेलर्स पर ग्राहक खरीदारी के लिए कम आ रहे हैं। नोएडा के एक ज्वेलर ने बताया कि पिछले एक महीने से सोने के आभूषणों की बिक्री काफी कम हो गई है। शादी के सीजन में भी सोने की ज्वेलरी की बहुत ज्यादा बिक्री नहीं हुई। वहीं एक अन्य ज्वेलर ने बताया कि इस समय सोने के आभूषण खरीदने वाले कम और बेचने वाले ज्यादा आ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण सोने की कीमत में आई तेजी है।

कारोबार पर पड़ रहा असर– सोने की खरीदारी कम होने से ज्वेलर्स का धंधा मंदा पड़ गया है। ज्वेलर्स के मुताबिक शादी में भी सोने की बहुत ज्यादा बिक्री नहीं हुई। सबसे ज्यादा मांग 18 कैरेट सोने की रही। हालांकि 22 कैरेट का सोना भी कुछ ज्यादा बिका, लेकिन मात्रा के अनुसार कम।

मिडिल क्लास की बड़ी हिस्सेदारी

आईआईएम (अहमदाबाद) की ओर से साल 2022 में किए गए एक सर्वे के मुताबिक 2 से 10 लाख रुपये की सालाना आय वाले लोग सबसे ज्यादा सोना खरीदते हैं। कुल सोने की बिक्री में इसकी हिस्सेदारी 50 फीसदी से ज्यादा होती है। सोना महंगा होने से सबसे ज्यादा असर भी लोअर और मिडिल क्लास पर पड़ा है। वह मिडिल क्लास जो सोना खरीदने में आगे रहता था, अब उसने हाथ पीछे खींच लिए हैं। कुछ ज्वेलर्स ने बताया कि उनकी शॉप पर आने वाले ग्राहकों में मिडिल क्लास के लोगों की संख्या काफी है। सोना महंगा होने से अब काफी कम ग्राहक आ रहे हैं।

मुक्केबाजी महासंघ में घमासान, सचिव-कोषाध्यक्ष निलंबित; वित्तीय अनियमितताओं पर भी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल संहिता के अनुसार अध्यक्ष चार साल के तीन लगातार कार्यकाल पूरे कर सकता है, जबकि महासचिव और कोषाध्यक्ष चार-चार वर्ष के दो कार्यकाल पूरे करने के बाद चार वर्ष के कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाएंगे।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) में चुनाव से पहले घमासान चरम पर पहुंच गया है। बीएफआई ने मंगलवार को महासचिव हेमंत कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में निलंबित कर दिया। साथ ही 28 मार्च को होने वाले चुनाव के लिए कलिता के अध्यक्ष पद पर नामांकन को भी रद्द कर दिया। बीएफआई ने दोनों का निलंबन दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज सुधीर कुमार जैन की जांच रिपोर्ट के आधार पर किया है। जैन को बीएफआई ने ही महासंघ में वित्तीय अनियमितताओं की जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी।

कलिता का नामांकन रद्द होने से अध्यक्ष पद पर मुकाबला अजय सिंह, राजेश भंडारी और डी चंद्रलाल के बीच रह गया है। खेल संहिता के अनुसार अध्यक्ष चार साल के तीन लगातार कार्यकाल पूरे कर सकता है, जबकि महासचिव और कोषाध्यक्ष चार-चार वर्ष के दो कार्यकाल पूरे करने के बाद चार वर्ष के कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाएंगे। इसके बाद वे चार साल के एक कार्यकाल के लिए फिर से चुनाव लड़ने के योग्य होंगे। कर्नाटक के एन सतीश का नामांकन भी महासचिव पद पर रद्द किया गया है।

बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह की ओर से जारी पत्र में कहा गया, जस्टिस जैन ने अपनी जांच में दोनों पदाधिकारियों को वित्तीय अनियमितताओं और कुप्रबंधन का दोषी पाया है। महासंघ में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए दोनों को उनके पदों से निलंबित किया जाता है। जस्टिस जैन की जांच रिपोर्ट खेल मंत्रालय को भी भेजी गई है। कलिता का नामांकन खेल संहिता के उल्लंघन पर रद्द किया गया है। जिसमें कहा गया है कि उनके बीएफआई में दो कार्यकाल पूरे हो गए हैं। उन्हें कूलिंग ऑफ पीरियड पर जाना जरूरी है।

इंग्लैंडः घरेलू क्रिकेट के दिग्गज जोश कोब ने लिया संन्यास, 17 साल के करियर पर लगाया विराम

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत में इंग्लैंड के क्रिकेटर जोश कोब एक जाना-माना नाम है, जिन्होंने 17 साल तक घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता। अब उन्होंने अपने पेशेवर क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया है। जोश कोब ने न केवल घरेलू क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोब ने 448 प्रोफेशनल मैच खेले हैं और अपने करियर की शुरुआत महज 17 साल की उम्र में की थी। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी करते हुए 133 विकेट भी हासिल किए। कोब ने 2008 में 148 रन की शानदार पारी खेलकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। जोश कोब ने अपने 17 साल के करियर में 13,000 से अधिक रन बनाए। उन्होंने 448 पेशेवर मैच खेले, जिसकी शुरुआत उन्होंने महज 17 साल की उम्र में की थी। वहीं, घरेलू क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 133 विकेट भी हासिल किए। 2008 में, 148 रन की शानदार पारी खेलकर उन्होंने सबसे कम उम्र में शतक बनाने का रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने वारविकशायर एकेडमी में युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया, जिनमें से कई अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, जोश कोब अब बॉयज एकेडमी के प्रमुख के रूप में अपनी नई जिम्मेदारी निभाएंगे। इस नई भूमिका में, वह युवा क्रिकेटरों को प्रशिक्षित और मार्गदर्शन देंगे। अपने रिटायरमेंट की घोषणा करते हुए जोश कोब ने कहा, ÷18 साल पहले जब मैंने क्रिकेट में कदम रखा था, तो यह सफर काफी उतार-चढ़ाव से भरा हुआ था, लेकिन पूरी तरह से सुखद रहा। मैं उन सभी का आभारी हूं, जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया और मेरे करियर में शानदार यादें दीं। क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया, जिसमें 18 साल की उम्र में लॉर्ड्स में पहला शतक और दो बार टी-20 ब्लास्ट फाइनल जीतने की यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

सूर्यकुमार आईपीएल 2025 के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे, जानें क्या है वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में ओवर-रेट अपराध के लिए मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर एक मैच का निलंबन आईपीएल 2025 संस्करण में भी जारी रहेगा, जिससे ऑलराउंडर रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपनी टीम के पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। इस प्रकार सूर्यकुमार यादव कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे जिसकी पुष्टि हार्दिक ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की, जहां उनके साथ टीम के कोच महेला जयवर्धने भी मौजूद थे। अपने निलंबन पर एक सवाल का जवाब देते हुए हार्दिक ने कहा, सूर्यकुमार यादव भारत की भी कप्तानी करेंगे। वह पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे। मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ तीन कप्तान खेल रहे हैं - रोहित (शर्मा), सूर्य और (जसप्रीत) बुमराह। वे हमेशा मेरे कंधे पर हाथ रखते हैं और जब भी मुझे किसी मदद की जरूरत होती है, तो वे हमेशा मौजूद रहते हैं। यह अभी भी तय नहीं है कि बुमराह अपनी पीठ की चोट से कब तक फिट होकर एमएम टीम में शामिल होंगे। फिलहाल, वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हैं, जिसकी पुष्टि जयवर्धने ने की है। कोच ने कहा, हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि एनसीए की उनके (बुमराह) बारे में क्या प्रतिक्रिया है।

हम इस आईपीएल सीजन में 300 रन का आंकड़ा पार करते देख सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज एबी डिविलियर्स ने आईपीएल 2025 के शुरुआती मैच से पहले कहा कि इस बार आईपीएल में 300 रन का आंकड़ा पार होता दिखाई दे सकता है। जियो हॉटस्टार से बात करते हुए उन्होंने कहा कि फाफ डू प्लेसिस और विराट कोहली, एबी डिविलियर्स जैसे बड़े खिलाड़ियों के बाद कप्तान के रूप में कदम रखना उनकी सबसे बड़ी चुनौती होगी।

पिछले महीने पाटीदार को आरसीबी का नया कप्तान घोषित किया गया था। वह पहली बार आईपीएल टीम का नेतृत्व करेंगे। पाटीदार को सभी प्रारूपों में मध्य प्रदेश टीम के सदस्य के रूप में कप्तानी का अनुभव है। उन्होंने पिछले साल मध्य प्रदेश को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया था। एबी डिविलियर्स ने कहा, मुझे लगता है कि उनकी सबसे बड़ी चुनौती असुरक्षा होगी - फाफ (डु प्लेसिस) और विराट (कोहली) जैसे पिछले कप्तानों की जगह लेना। विराट के आस-पास होने और खुद पर लगातार संदेह करना, क्या मैं सही काम कर रहा हूं? विराट क्या करेंगे? - मुझे लगता है कि यही उनकी सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने यह भी चर्चा की कि पाटीदार इस चुनौती से कैसे पार पा सकते हैं। डिविलियर्स ने कहा कि उन्हें हमेशा अपने खेल पर भरोसा रखना चाहिए और याद रखना चाहिए कि उन्हें कप्तानी के लिए क्यों चुना गया था। उन्हें अपनी शैली में टीम का नेतृत्व करना चाहिए और कोहली और डु प्लेसिस की तरह कप्तानी करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने विराट कोहली के अनुभव का भी उल्लेख किया और कहा कि पाटीदार को इसका सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा, इससे पार पाने का तरीका यह है कि आप खुद को लगातार

याद दिलाते रहें, मैं इस स्थिति में क्यों हूं? उन्होंने मुझे क्यों चुना? इसके पीछे कोई अच्छा कारण होना चाहिए। अब समय आ गया है कि मैं इस पर भरोसा करूं और जो मैं हूं, उसके प्रति सच्चा रहूं- विराट या फाफ की तरह कप्तानी करने की कोशिश न करूं, बल्कि अपने तरीके से नेतृत्व करूं। उन्हें विराट, एंडी फ्लावर और अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के अनुभव का उपयोग करना चाहिए, लेकिन हमेशा खुद के प्रति सच्चे रहना चाहिए। मेरे हिसाब से पाटीदार के लिए यही सबसे अच्छी सलाह होगी। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर रूल और हाई-स्कोरिंग मैचों पर एबी डिविलियर्स ने इम्पैक्ट प्लेयर रूल और खेल पर इसके प्रभाव पर चर्चा की। इस नए नियम ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है। यह शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को पावर प्ले में जोखिम लेने की आजादी देता है। उन्होंने यह भी महसूस किया कि यह गेंदबाजों के लिए अनुचित है क्योंकि यह इम्पैक्ट प्लेयर रूल बल्लेबाजों को स्वतंत्रता देता है, जो क्षेत्ररक्षण प्रतिबंधों के कारण गेंदबाजी को मुश्किल बनाता है।

उन्होंने कहा, प्रभावी खिलाड़ी नियम ने खेल को बहुत बदल दिया है। जैसा कि हमने कुछ खिलाड़ियों की टिप्पणियों से देखा है, यह शीर्ष तीन बल्लेबाजों को मुक्त करता है - वे अधिक जोखिम उठा सकते हैं। एक तरह से यह थोड़ा अनुचित लगता है, और मैंने इसके बारे में कुछ आलोचनाएं साझा की हैं। क्षेत्ररक्षण प्रतिबंध केवल दो क्षेत्ररक्षकों को रिंग के बाहर रखने की अनुमति देते हैं, साथ ही शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए अतिरिक्त स्वतंत्रता, गेंदबाजों के लिए चीजों को जटिल बनाती है। लेकिन यह बल्लेबाजों के लिए रोमांचक है। हम इस आईपीएल सीजन में 300 रन का आंकड़ा पार करते हुए देख सकते हैं।

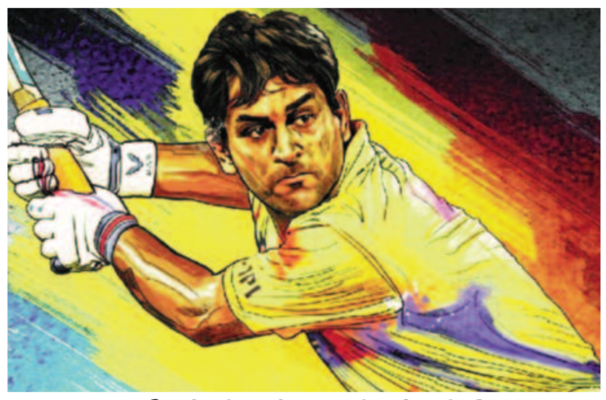

एमएस धोनी ने सीएसके के ट्रेनिंग कैंप में ही दिखाया हिटर वाला अंदाज, हेलीकॉप्टर शॉट ने लूट ली महफिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत 22 मार्च से शुरू होगी। सभी टीमें तैयारी में जुटी हुई हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने बहुत पहले ही चेन्नई में अपने कैंप की शुरुआत कर दी थी। टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ-साथ पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने भी इस सीजन की तैयारी शुरू कर दी है। धोनी ने ट्रेनिंग सेशन में ही अपने फॉर्म की झलक दिखा दी है।

धोनी कुछ दिन पहले तक मसूरी में थे। वह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन साक्षी की शादी में शिरकत करने पहुंचे थे। शादी से लौटते ही वह चेन्नई सुपर किंग्स के कैंप में जुड़े और उन्होंने अभ्यास शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर धोनी का वीडियो वायरल हुआ जिसमें अपने चिर परिचित अंदाज में दिखाई दिए।

चेन्नई के एमएस चिदंबरम स्टेडियम में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना धोनी को गेंदबाजी करा रहे थे। उन्होंने यॉर्कर गेंद डाली और धोनी ने हेलीकॉप्टर शॉट खेला और छक्का जमाया। गेंद बाउंड्री पार गई। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस को अपने थाला का विंटेज अंदाज काफी पसंद आ रहा है। एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले वालों क्रिकेटर्स में शामिल हैं। धोनी पूरे साल में केवल एक ही बार मैदान पर नजर आते हैं। वह केवल आईपीएल ही खेलते हैं। इसके बावजूद उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। वह चाहे चेन्नई में खेले हैं या फिर किसी और मैदान पर हर जगह केवल उनकी ही चर्चा होती है।

आईपीएल 2025 में अंपायरिंग करेगा कोहली का दोस्त!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का पहला मैच 22 मार्च को खेला जाएगा. यह मुकाबला कोलकाता नाइट राइजर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच होगा. आरसीबी को अभी तक पहले खिताब का इंतजार है. आरसीबी

आईपीएल का खिताब एक बार भी नहीं जीत पायी है. इस बीच विराट कोहली के एक साथी खिलाड़ी से जुड़ी दिलचस्प खबर सामने आयी है. कोहली के साथ खेल चुके तन्मय श्रीवास्तव आईपीएल में अंपायरिंग करेंगे. दरअसल तन्मय श्रीवास्तव अंडर 19 विश्व कप 2008 में विराट कोहली की कप्तानी में खेल चुके हैं. टीम इंडिया ने कोहली की कप्तानी में यह खिताब भी जीता था. कोहली के साथ खेल चुके तन्मय अब नई भूमिका में नजर आएंगे. उन्हें मैच ऑफिशियल की भूमिका मिली है. तन्मय को आईपीएल में अंपायर के तौर पर चुना गया है. हालांकि वे ऑनफील्ड अंपायरिंग नहीं करेंगे. तन्मय ने करीब पांच साल पहले ही क्रिकेट छोड़ दी थी. उन्होंने इसके बाद अंपायरिंग का कोर्स किया. तन्मय ने दो सालों तक लेवल 2 का कोर्स किया और इसके बाद डोमेस्टिक क्रिकेट में अंपायरिंग करने लगे. वे अब आईपीएल में अंपायर के तौर पर चुने गए हैं. यूपीसीए ने इसको लेकर एक्स पर एक पोस्ट भी शेयर की है. तन्मय ने अंपायर बनते ही वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है. दरअसल वे आईपीएल में खेलने के बाद इसी टूर्नामेंट में अंपायरिंग भी करेंगे. वे आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम का हिस्सा रह चुके हैं. तन्मय 2007 से 2009 तक पंजाब किंग्स का हिस्सा रहे.

अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय शतरंज टूर्नामेंट का डीयू में आगाज, 20 मार्च तक 16 विवि के बीच टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। टूर्नामेंट के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि अनूप लाठर ने कहा कि शतरंज के मोहरों की चाल जीवन में हर तरह की विकृतियों से बचने और निर्णय लेने की सीख देती है। दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय अंतर विश्वविद्यालय शतरंज (महिला) टूर्नामेंट का आगाज मंगलवार से हुआ है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ(एआईयू) की ओर से इस तीन दिवसीय(18-20 मार्च) टूर्नामेंट की जिम्मेदारी डीयू को सौंपी गई है। टूर्नामेंट में देशभर से 16 विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं। इसमें 96 खिलाड़ी शामिल हैं। डीयू के खेल परिसर स्थित बहुउद्देश्यीय सभागार में मंगलवार को इस टूर्नामेंट की शुरूआत हुई। इस अवसर पर डीयू कल्चर काउंसिल के चेयरपर्सन

अनूप लाठर बतौर मुख्य अतिथि व दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के प्रिंसिपल प्रो. राजीव चोपड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

टूर्नामेंट के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि अनूप लाठर ने कहा कि शतरंज के मोहरों की चाल जीवन में हर तरह की विकृतियों से बचने और निर्णय लेने की सीख देती है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे अंदर भविष्य में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करते हैं। हम खेल खेलते हैं, खेलों से सीखते हैं और उस सीख से जीतते हैं। शतरंज एक विलक्षण खेल है। विशिष्ट अतिथि प्रो. राजीव चोपड़ा ने कहा कि खिलाड़ी कभी लूजर नहीं होता, एक हारेगा तो दूसरा जीतेगा। डीयू के शारीरिक शिक्षा एवं खेल निदेशक डॉ अनिल कुमार कलकल ने बताया कि इस अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय शतरंज (महिला) टूर्नामेंट में चार जोन से कुल 16 विश्वविद्यालय भाग ले रहे हैं। उत्तरी जोन से डीयू, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय और पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला शामिल है। पूर्वी जोन से एडमस विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग(छतीसगढ़), कलकत्ता विश्वविद्यालय तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर(छतीसगढ़) शामिल हैं। दक्षिणी जोन से मद्रास विश्वविद्यालय चेन्नई, अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई, भारथिअर विश्वविद्यालय(कोयंबटूर) तमिलनाडु और एसआरएम आईएसटी विवि तमिलनाडु भाग ले रहे हैं।

आईपीएल 2025 की ओपनिंग सेरेमनी होगी बेहद खास

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच के साथ होगी. इस ओपनिंग मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक बड़ा फैसला लिया है. दरअसल, इस बार टूर्नामेंट का 18वां साल है. बोर्ड इस उपलब्धि को सेलिब्रेट करने के साथ-साथ फैंस के लिए भी खास बनाना चाहता है. इसलिए उसने सभी 13 वेन्यू पर ओपनिंग सेरेमनी कराने का फैसला किया है. सिर्फ कोलकाता ही नहीं, बल्कि हर वेन्यू के मैच से पहले एक ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी. इस दौरान कई कलाकार फैंस के सामने प्रदर्शन करके धूम मचाएंगे.

कोलकाता में 30 मिनट की सेरेमनी

स्पोर्टस्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली ओपनिंग सेरेमनी 22 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगी. इस दौरान बॉलीवुड सुपरस्टार और संगीत जगत की मशहूर हस्तियां 30 मिनट के इवेंट में परफॉर्म करेंगी. इसी तरह का सेलिब्रेशन पूरे सीजन के दौरान जारी रहेगा.

सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई

इस बार टूर्नामेंट में और फ्लेवर लाना चाहती थी, ताकि हर जगह के दर्शक ओपनिंग समारोह का लुत्फ उठा सकें. इसलिए हर जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय कलाकारों की एक लाइन-अप बनाने की प्लानिंग चल रही है. मौजूदा जानकारी के मुताबिक, बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल और बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी 22 मार्च को कोलकाता में उद्घाटन समारोह के दौरान परफॉर्म करेंगी. इस दौरान आईसीसी के चेयरमैन और पूर्व बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह भी मौजूद रहेंगे.

फाइनल स्टेज पर बातचीत

रिपोर्ट के अनुसार, कोलकाता के अलावा दूसरी 12 जगहों पर इवेंट के लिए कुछ प्रसिद्ध कलाकारों के साथ बोर्ड की बातचीत लगभग अंतिम स्टेज में है. सूत्र ने कहा, 'विचार यह है कि सभी इवेंट के लिए बॉलीवुड कलाकारों का एक अलग समूह प्रदर्शन करे और इनिंग के बीच सीमित समय के साथ, इन कार्यक्रमों के लिए दो से तीन कलाकारों को शामिल किया जा सकता है. इसके लिए 19 मार्च तक कलाकारों और मशहूर हस्तियों की लिस्ट तैयार कर ली जाएगी.'

बुमराह का ना होना एक बड़ी चुनौती, आईपीएल से पहले मुंबई इंडियंस के कोच ने सेहत पर दिया अपडेट

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने जसप्रीत बुमराह की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए कोई समय सीमा नहीं बताई और कहा कि इस तेज गेंदबाज की अनुपस्थिति इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में उनकी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। बुमराह पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती कुछ मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह अभी बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट बोर्ड के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में' रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया में हैं। जयवर्धने ने बुधवार को यहां मुंबई इंडियंस की सत्र पूर्व आयोजित प्रेस कांफ्रेस में कहा, 'जसप्रीत बुमराह एनसीए में हैं। हमें बुमराह के बारे में उन पर फीडबैक का इंतजार करना होगा। फिलहाल सब ठीक चल रहा है, दिन-प्रतिदिन प्रगति हो रही है। मुंबई के कोच ने कहा, 'वह अच्छी स्थिति में हैं। पर उनका नहीं खेलना भी टीम के लिए एक चुनौती है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में अंतिम टेस्ट में वह दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके थे जिसके बाद से वह बाहर हैं और मेजबान टीम ने 162 रन का पीछा करते हुए 3-1 से श्रृंखला जीत ली थी।

खेसारी लाल-रति पांडेय स्टारर 'रिश्ते' की धूम

होली के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव और अभिनेत्री रति पांडेय की फिल्म 'रिश्ते' को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। एसआरके म्यूजिक प्रा. लि. के बैनर तले बनी इस फिल्म में खेसारी समेत अन्य कलाकारों की दर्शक खूब तारीफ कर रहे हैं। फिल्म निर्माता शर्मिला आर. सिंह और रोशन सिंह ने बताया, 'रिश्ते' को बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है, जिससे भोजपुरी के साथ-साथ हिंदी भाषी दर्शक भी इस फिल्म का आनंद उठा रहे हैं। फिल्म को लेकर सुपरस्टार खेसारी लाल यादव ने कहा 'रिश्ते' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा है। यह फिल्म हर परिवार को जोड़ने का काम करेगी और दर्शकों के दिलों को छू लेगी। होली के शुभ अवसर पर इसे दर्शकों को समर्पित कर बहुत खुशी महसूस हो रही है। टेलीविजन से बड़े पर्दे तक का सफर तय करने वाली रति पांडेय ने कहा, रिश्ते मेरी दूसरी भोजपुरी फिल्म है और इसमें काम करने का मेरा अनुभव शानदार रहा। इस फिल्म की कहानी और किरदार इतने दमदार हैं कि दर्शकों को इसमें अपना ही अक्स दिखाई देगा। निर्माता रोशन सिंह ने बताया, 'रिश्ते' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक सोशल मैसेज है। हम चाहते हैं कि दर्शक इस फिल्म को अपने परिवार के साथ देखें और इसके भावनात्मक पहलू को महसूस करें। इस फिल्म का हर सीन रिश्तों की अहमियत को दिखाता है। फिल्म में खेसारी लाल यादव और रति पांडेय के अलावा आकांक्षा पुरी, विनोद मिश्रा, समर्थ चतुर्वेदी, सुजान सिंह, संजीव मिश्रा, युगांत पाण्डेय, माया यादव, निशा झा, रंभा साहनी, जया पाण्डेय, प्रियांशु सिंह, विजया लक्ष्मी सिंह, दिलीप यादव और सोनू पाण्डेय समेत कई दमदार कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। प्रेमांशु सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म रिश्ते का संगीत भोजपुरी इंडस्ट्री के टॉप संगीतकारों ने तैयार किया है, जिनमें ओम झा, छोटे बाबा और कृष्णा बेदर्दी का नाम शामिल है, जबकि कैमरा डायरेक्टर (डीओपी) बासु हैं। फिल्म के पीआरओ रंजन सिन्हा हैं। उन्होंने कहा, दर्शकों को 'रिश्ते' इसलिए देखना चाहिए कि इसमें भोजपुरी और हिंदी दर्शकों के लिए बेहतरीन कंटेंट के साथ मजबूत स्टारकास्ट और शानदार संगीत है, इसलिए आप सभी अपने परिवार के साथ जाकर फिल्म देखें और इसका आनंद लें।

सनी ने थामा भोजपुरी सिंगर का हाथ

सनी लियोनी की जोड़ी भोजपुरी सुपरस्टार के साथ जमी है। वह एक्टर खेसारी लाल यादव या पवन सिंह नहीं हैं। जानते हैं कौन है फिर? सनी लियोनी की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है।

बॉलीवुड के कई स्टार्स के साथ वह काम कर चुकी हैं। मगर, इस बार उन्होंने बॉलीवुड एक्टर का हाथ थामा है। और वह एक्टर पवन सिंह या खेसारी लाल यादव नहीं हैं। वह एक्टर है नीलकमल सिंह। जी हां, सनी लियोनी और नीलकमल सिंह का गाना लड़की दीवानी आज मंगलवार को रिलीज हुआ है।

यूट्यूब पर ट्रेंड हुआ गाना

सनी लियोनी और नीलकमल सिंह का गाना टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। और यह जबर्दस्त तरीके से ट्रेंड कर रहा है। इसे कुछ ही घंटों में करीब पांच लाख व्यूज मिल गए हैं। इस गाने को नीलकमल सिंह ने गाया है। इसके लिरिक्स आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं।

नीलकमल ने सनी को सिखाई भोजपुरी

गाने में सनी लियोनी और नीलकमल सिंह का रोमांटिक अंदाज नजर आ रहा है।

अयान मुखर्जी ने प्रार्थना सभा में पैपराजी से प्राइवेसी का किया अनुरोध, कहा- ये दुर्गा पूजा नहीं

फिल्म निर्माता अयान मुखर्जी ने अपने पिता दिग्गज अभिनेता देब मुखर्जी के निधन पर मंगलवार को एक प्रार्थना सभा रखी। इस दौरान वह पैपराजी से प्राइवेसी बनाए रखने का अनुरोध करते हुए नजर आए। फिल्म निर्माता अयान मुखर्जी के पिता दिग्गज अभिनेता देब मुखर्जी का 14 मार्च को मुंबई में 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके निधन से इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ पड़ी। दिवंगत अभिनेता के अंतिम संस्कार में कई दिग्गज शामिल हुए। मंगलवार को अयान मुखर्जी ने मुंबई के अंधेरी स्थित फिल्मालय स्टूडियो में अपने दिवंगत पिता के लिए प्रार्थना सभा आयोजित की। फिल्म निर्माता अयान मुखर्जी प्रार्थना सभा के दौरान दुखी नजर आए। वह इस कठिन समय में पैपराजी से उनकी निजता का सम्मान करने का अनुरोध करते हुए देखे गए, उन्हें यह याद दिलाते हुए कि यह एक निजी कार्यक्रम है, दुर्गा पूजा नहीं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अयान को यह कहते हुए सुना गया, अंदर बहुत कमर्शियल होगा, लेकिन यह एक प्रार्थना सभा है। अगर आपको लग रहा है कि अच्छे शॉट्स नहीं मिल रहे हैं, तो आई एम सॉरी, हमारे लिए आज ऐसा ही ठीक है।

बाबिल खान ने बताया, वह

जसलीन रॉयल संग क्यों करना चाहते थे काम

अभिनेता बाबिल खान ने बताया कि वह गायिका जसलीन रॉयल के म्यूजिक वीडियो 'दस्तूर' में काम करना चाहते थे। बाबिल ने इसके पीछे कि वजह भी बताई और रॉयल के आवाज की खूब तारीफ भी की। दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल ने इंस्टाग्राम पर

'दस्तूर' म्यूजिक वीडियो के कुछ पलों की तस्वीरें शेयर कीं। बाबिल ने बताया कि रॉयल के साथ म्यूजिक वीडियो मिलने पर हर कोई खुश था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब जसलीन मेरे साथ म्यूजिक वीडियो करना चाहती थीं, तो हर कोई बहुत खुश था। हालांकि, वह एक स्टार हैं और मैं अभी सफर पर हूं। उन्होंने लिखा, मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह यूट्यूब पर वीडियो बनाती थीं। मुझे उनकी आवाज पसंद है। उनके गाने सुनकर अच्छा लगता है और परेशानियां भी हल्की होती दिखती हैं। मैंने म्यूजिक वीडियो में उनके साथ काम इसलिए किया, क्योंकि जसलीन के पास ऐसी आवाज है, जो बहुत खास है। बाबिल की पोस्ट पर कमेंट करते हुए जसलीन रॉयल ने लिखा, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया सुपरस्टार। यह हमेशा खास रहेगा। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद बाबिल ने बॉलीवुड फिल्म 'करीब करीब सिंगल' में कैमरा असिस्टेंट के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2022 में उन्होंने तृप्ति डिमरी के साथ अन्विता दत्त की साइको-ड्रामा 'काला' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'फ्राइडे नाइट प्लान' में नजर आए, जिसमें उनके साथ जूही चावला हैं। इसके बाद अभिनेता भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित सीरीज 'द रेलवे मेन' में नजर आए। सीरीज में बाबिल के साथ दिव्येंदु शर्मा, केके मेनन और आर. माधवन भी हैं।

शानदार है बदनाम का गाना इंजेक्शन, सुनकर नाचने पर हो जाएंगे मजबूर: निक्की तंबोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी और अभिनेत्री निक्की तंबोली हालिया रिलीज फिल्म 'बदनाम' के इंजेक्शन लगा दो गाने के साथ पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने गाने की खूब तारीफ की और बताया कि यह एक ऐसा गाना है, जिसे सुनकर लोग नाचने पर मजबूर हो जाएंगे। प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए निक्की ने कहा, मैं पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू करने और 'बदनाम' का हिस्सा बनने को लेकर बेहद रोमांचित हूं!

उन्होंने कहा, 'इंजेक्शन लगा दो मुझे' एक ऐसा गाना है, जिसे सुनकर आप नाचने को मजबूर हो जाएंगे और मैं ऐसी शानदार टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए बेहद आभारी हूं। 'इंजेक्शन लगा दो मुझे' गाने को सुनिधि चौहान ने गाया है। रोमांटिक ड्रामा बदनाम फरवरी में रिलीज हुई थी, जिसमें अभिनेता जय रंधावा, जैस्मिन भसीन और मुकेश ऋषि मुख्य भूमिकाओं में हैं। निक्की तंबोली के करियर की बात करें तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2019 में रिलीज हुई तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'चिकाती गडिलो चिताकोटुडु' से अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह तमिल एक्शन-हॉरर फिल्म 'कंचना 3' में नजर आईं, जिसमें उनके किरदार का नाम दिव्या है। उनकी तीसरी फिल्म तेलुगू में 'थिप्पारा मीसम' थी। निक्की ने 2020 में सलमान खान के हिंदी रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भी भाग लिया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं। इसके बाद वह साल 2021 में रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी के 11वें सीजन में दिखाई दीं, जिसे दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में फिल्माया गया था। शो में तंबोली 10वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा वह कई म्यूजिक वीडियो में भी काम कर चुकी हैं। निक्की साल 2022 में गेम शो द खतरा-खतरा में देखी गईं, जिसे कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था। निक्की, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' के 'कॉकटेल' गाने में भी काम कर चुकी हैं।

हमारी प्रार्थनाएं कुबूल हुईं...

एक्टर आर. माधवन ने जताई किस बात की खुशी

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की धरती पर सुरक्षित वापसी का जश्न दुनियाभर में मनाया जा रहा है। अभिनेता आर. माधवन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है।

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर लगभग नौ महीने अंतरिक्ष में बिताने के बाद सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आए हैं। पिछले साल जून से अंतरिक्ष में फंसे इन अंतरिक्ष यात्रियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आखिरकार उनका स्पेसक्राफ्ट सफलतापूर्वक फ्लोरिडा के समुद्री तट पर उतर गया। सुनीता विलियम्स की धरती पर सुरक्षित वापसी पर अभिनेता आर. माधवन ने खुशी जताते हुए पोस्ट शेयर किया है।

आर. माधवन ने किया सुनीता विलियम्स का स्वागत

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर का स्पेसक्राफ्ट सुरक्षित तरीके से धरती पर उतर चुका है। भारतीय समयानुसार, लैंडिंग बुधवार तड़के हुई। इस खबर पर दुनियाभर में खुशी मनाई जा रही है। भारत की बेटी सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी पर अभिनेता आर. माधवन ने आज बुधवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि आखिर दुआएं कुबूल हुईं।

बदली आवाज, बढ़ाया वजन, जाट में 'रणतुंगा' के लिए रणदीप हुड्डा ने किया बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन

सनी देओल, रणदीप हुड्डा स्टारर अपकमिंग फिल्म 'जाट' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में हुड्डा के किरदार का नाम 'रणतुंगा है, जो खतरनाक खलनायक है। किरदार के लिए हुड्डा ने वजन बढ़ाने के साथ ही अपनी आवाज के उतार-चढ़ाव पर भी कमाल का काम किया है। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, खलनायक हो या हीरो का किरदार, रणदीप उसमें डूब जाते हैं और जीवंत करने के लिए खूब मेहनत करते हैं। 'जाट' भी इससे अलग नहीं है और अपने खलनायक किरदार रणतुंगा को मजबूत करने के लिए वह पहले दिन से ही जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया, रणदीप हुड्डा ने अपने किरदार के लिए बाल बढ़ाए और अपनी बॉडी पर काम किया ताकि उनका किरदार अधिक खतरनाक दिख सके। यह पहली बार नहीं है जब रणदीप ने ट्रांसफॉर्मेशन किया है। इससे पहले अभिनेता साल 2016 में आई फिल्म 'सरबजीत' और 2024 में रिलीज फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' की भूमिका निभाने के लिए भी परिवर्तन किए थे। सूत्र ने बताया, चाहे वह 'सरबजीत' हो, 'स्वतंत्र वीर सावरकर' हो या 'जाट', रणदीप कभी भी किरदार में जान डालने से पीछे नहीं हटते। फैंस उनके इस अंदाज को पसंद भी करते हैं। रणतुंगा के रूप में भी इस बार प्रशंसकों को कुछ नया और बेहतरीन मिलेगा। रणतुंगा को लेकर रणदीप ने बताया था कि उन्होंने इससे पहले भी नेगेटिव रोल किए हैं, लेकिन रणतुंगा का किरदार बहुत खतरनाक है। रणदीप ने कहा, रणतुंगा मेरी किसी भी नकारात्मक भूमिका से ज्यादा खतरनाक है। वह हिंसक, विक्षिप्त और चीजों को लेकर बहुत क्रूर है। 'जाट' का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इसमें रणदीप हुड्डा, सनी देओल के साथ विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने फिल्म का निर्माण किया है, जो सिनेमाघरों में 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी।

द कश्मीर फाइल्स के लिए नेटिजन ने विवेक अग्निहोत्री को कहा शुक्रिया

विवेक अग्निहोत्री ने साल 2022 में फिल्म द कश्मीर फाइल्स बनाई। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। एक सोशल मीडिया यूजर ने ऐसी फिल्म बनाने के लिए निर्देशक को शुक्रिया अदा किया है।

इन दिनों विक्की कौशल की फिल्म छावा चर्चा में है। बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई के बीच इस फिल्म पर जमकर विवाद भी हो रहे हैं। छावा की रिलीज के बाद कथित तौर पर औरंगजेब की कब्र हटाए जाने की मांग होने लगी हैं। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं। इस सबके बीच फिल्म छावा का जिक्र करते हुए एक सोशल मीडिया यूजर ने विवेक अग्निहोत्री को शुक्रिया कहा है।

एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) पर जे नाम के एक यूजर ने पोस्ट शेयर किया है। इसमें विवेक अग्निहोत्री को टैग करते हुए लिखा है, आपको द कश्मीर फाइल्स जैसी मूवी बनाने के लिए शुक्रिया, नहीं तो हम सामान्य भारतीय तथ्यों से अनजान रहते। यूजर ने हैशटैग के साथ कश्मीरी पंडित, हिंदू लिखा है। साथ ही विक्की कौशल की फिल्म छावा का नाम भी हैशटैग के साथ लिखा है।

साभार एजेंसी